



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 30—दिसम्बर 6, 2019 (अग्रहायण 9, 1941)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30—DECEMBER 6, 2019 (AGRAHAYANA 9, 1941)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	559	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1369	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	11	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	2929	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	6789
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	375
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	2229
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण.....	*

\*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

## CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	559	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	1369	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	11	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .....	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .....	2929	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .....	6789
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs .....	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations .....	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .....	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .....	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .....	375
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .....	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .....	2229
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi .....	*

\*Folios not received.

**भाग I—खण्ड 1****[PARTI—SECTION 1]**

**[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचना,]**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2019

सं. 114-प्रेज/2019—राष्ट्रपति असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को “कीर्ति चक्र” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री हर्षपाल सिंह, उप कमाण्डेन्ट, के.रि.पु.ब.

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 13 सितम्बर, 2018)

12 सितम्बर, 2018 की सुबह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को झाझर कोटली के निकट 03 विदेशी आतंकवादी की उपस्थिति की सूचना मिली थी। तदनुसार केन्द्रीय पुलिस बल, पुलिस और सेना की टुकड़ियों द्वारा उनके सीमांकित क्षेत्रों में संयुक्त तलाशी और विनाश करने संबंधी संक्रिया को अंजाम दिया गया। सैन्य टुकड़ियों ने सभी संभावित स्थानों पर तलाशी की परन्तु देर रात तक आतंकवादियों के ठिकाने का पता नहीं चल सका जबकि परिस्थितियाँ उनके उसी क्षेत्र में होने की ओर इशारा कर रही थीं।

13 सितम्बर, 2018 को 1055 बजे श्री हर्षपाल सिंह को 06 बटालियन के कमाण्डेन्ट के साथ काकरयाल में तलाशी ड्यूटी के दौरान धीरती ग्राम के एक मकान में 03 विदेशी आतंकवादी होने की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई और वह छोटे दल के साथ उस स्थान की ओर तत्काल चल पड़े। मकान मालिक ने सुरक्षा बलों को उक्त सूचना दी थी और वह उनके आने की प्रतीक्षा में गांव के बाहर था। गांव में पहुंचकर श्री हर्षपाल सिंह ने आतंकवादियों और मकान के बारे में तथ्यों का पता लगाया। जैसा सूचित किया गया था, लक्षित मकान में लोहे की गिर के साथ एक खिड़की सहित दक्षिण की दिशा में एक ही प्रवेश द्वार था। उक्त मकान के अन्दर मौजूद तीनों आतंकवादियों के पास भारी मात्रा में गोलाबारूद था।

उस मकान तक पहुंचने के लिए गोलियों के सामने अपर्याप्त सुरक्षा के साथ खुला क्षेत्र था। लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ाना घातक निर्णय हो सकता था क्योंकि आतंकवादी सशस्त्र थे और पहुंच मार्ग पर उनकी सीधी नजर थी। सैन्य टुकड़ियों की कार्रवाई की गोपनीयता तथा अप्रत्याशित कार्रवाई का खुलासा होने का भी जोखिम था। एक छोटी सी चूक से आतंकवादी सतर्क होकर आगे बढ़ने वाली सैन्य टुकड़ियों को निशाना बना सकते थे और वहां से भाग निकलने में सफल हो सकते थे। यह स्थिति अत्यंत गंभीर थी और इसमें कामयाबी के लिए असाधारण प्रयासों की जरूरत थी। ऐसी स्थिति में श्री हर्षपाल सिंह ने सच्चे नेतृत्व का प्रदर्शन करके स्थिति का आकलन किया और अपने साथी कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ मोर्चे का सामना करने के लिए दल का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। रणनीतिक कुशाग्रता और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अपने साथ कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ लक्षित मकान की ओर घुटनों के बल पर आगे बढ़ाना प्रारंभ कर दिया। दोनों ही व्यक्ति चुपके से आगे बढ़ते हुए रिक्त स्थान को पार करके लक्षित मकान के निकट पहुंच गए जहां से वे मकान का दरवाजा और खिड़की देख सकते थे। शेष सैन्य टुकड़ियां, लघु कार्रवाई दल उन दोनों बहादुरों का अनुसरण कर रही थीं।

सैन्य टुकड़ियों द्वारा आगे बढ़कर लक्षित मकान के निकट उपयुक्त मोर्चा संभालने की कोशिश के दौरान आतंकवादियों ने अपने चारों ओर सुरक्षा बल की तैनाती को भांप लिया और उन्होंने सुरक्षा बलों पर भारी मात्रा में गोलीबारी प्रारंभ कर दी। चूंकि हर्षपाल सिंह और कांस्टेबल जाकिर हुसैन सामने ही थे इसलिए उन दोनों को ही आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। तथापि उन्होंने अपने सहज प्रतिक्रियाओं का प्रदर्शन करके छरों की बरसात से अपने जीवन को सुरक्षित बचा लिया और एक बंधिका के पीछे से मोर्चा संभाल लिया। सैन्य टुकड़ियों ने तत्काल आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। बंधिका और लक्षित मकान के बीच में ऊंची झाड़ियां थी। इन झाड़ियों से सैन्य टुकड़ियों की कार्रवाई में बाधा उत्पन्न हो रही थी क्योंकि आतंकवादियों की गोलीबारी से बचने में

वे न तो सहायक थी न ही वे सैन्य टुकड़ियों को अपना मोर्चा देखने में सहायता कर रही थी। यदि ऐसी ही स्थिति बनी रहती तो आतंकवादी उस स्थान से सुरक्षित भाग निकलने में सफल हो जाते। संभावनाओं और मौका हाथ से निकलने को भांपते हुए श्री हर्षपाल सिंह अपने साथी के साथ घुटने के बल पर उस मोर्चे की तलाश में आगे बढ़ते रहे, जहां से वे प्रभावी जवाबी हमला कर सकते थे। इस विस्मयकारी और अत्यंत जोखिमपूर्ण कार्य के साथ दोनों बहादुरों ने शत्रु की गोलीबारी के निकट ही मोर्चा संभाल लिया था। वे लक्षित मकान के निकट लगभग 10-15 मीटर दूर पहुंचने में सफल हुए फिर भी झाड़ियों की बाधाएं अभी भी थीं। अभी भी दोनों ने जीवन को अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थितियों में रखते हुए आतंकवादियों पर गोलीबारी कर दी। श्री हर्षपाल सिंह और कांस्टेबल जाकिर हुसैन द्वारा अत्यंत निकट से प्रभावी जवाबी गोलीबारी से आतंकवादियों को निशाना बनाने में उनको प्रमुख लक्ष्य मिल गया। समय पूरा हो रहा था और सैन्य टुकड़ियों को कुछ असाधारण कार्रवाई को अंजाम देना था क्योंकि जवाबी कार्रवाई प्रभावी साबित नहीं हो रही थी।

इस मौके पर श्री हर्षपाल सिंह ने समय की जरूरत को भांपते हुए आतंकवादियों के साथ आमने-सामने का मुकाबला करने का निर्णय ले लिया। उन्होंने मन-मस्तिष्क को थाम कर योजना तैयार की और अपने चारों ओर की स्थिति का जायजा लिया। अपनी रणनीतिक बुद्धिमत्ता का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपने मोर्चे के निकट एक वृक्ष की पहचान की जहां से वह खड़े होकर आतंकवादियों को निशाना बना सकते थे, यह एक मात्र ऐसा रास्ता था जिससे झाड़ियों की बाधा दूर होकर आतंकवादियों पर सीधा निशाना था। छर्रों की बौछार के बीच श्री हर्षपाल सिंह अपने साथी कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ घुटने के बल पर पेड़ की ओर आगे बढ़े। आतंकवादी ने दोनों की ओर कार्रवाई भांपकर उनके ऊपर एक के बाद एक ग्रेनेड दाग दीं जिनका परिणाम शून्य रहा क्योंकि दोनों ही गंभीर खतरों की परवाह न करते हुए अपने अपेक्षित मोर्चे पर पहुंचने में सफल रहे।

श्री हर्षपाल सिंह ने अपने साथी सिपाही जाकिर हुसैन को झुके रहकर जब वह आतंकवादी का पीछा करे तब कवर फायर देने का निदेश दिया। इस अत्यधिक साहसिक कार्य के दौरान गोलियों की बौछार और आतंकवादियों द्वारा यूबीजीएल ग्रेनेड/शेल्स चादर के बीच वे खड़े हुए एवं एक पेड़ के पीछे मोर्चा संभाला और एक आतंकवादी पर सटीक निशाना लगाया एवं उसे वहीं पर धराशायी कर दिया। जब उसके साथी आतंकवादी मृत आतंकवादी को सुरक्षित ले जाने की कोशिश कर रहे थे तब इन्होंने उनकी तरफ गोलियों की बौछार कर दी जिससे दोनों आतंकवादी बुरी तरह से घायल हो गए। वे तुरन्त पीछे हटे और घर के अन्दर मोर्चा संभाल लिया। आतंकवादियों ने श्री हर्षपाल के मोर्चे को चिन्हित किया जैसा कि वह अब उनके जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था, पर अलग-अलग दिशा से अन्धाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कम जगह होने के कारण पेड़ श्री हर्षपाल सिंह और सिपाही जाकिर हुसैन को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सका जिसके कारण दोनों आतंकवादियों की फायरिंग में गोलियां लग गईं। श्री हर्षपाल सिंह को उनकी छाती पर गोलियां लगी और सिपाही जाकिर हुसैन को उनकी जांघ पर गोली लगी। लेकिन सच्चे योद्धाओं की तरह दोनों युद्ध लड़ने के लिए अटल रहे और उन्होंने मैदान छोड़ने से मना कर दिया। बहुत अधिक खून बहाव के बावजूद दोनों बहादुर योद्धाओं ने आतंकवादियों के खिलाफ अपना प्रहार जारी रखा जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए उनके छिपे होने वाले स्थान से बचाव का कोई रास्ता नहीं बचा।

दोनों तरफ से लगातार भारी गोलीबारी के कारण आतंकवादियों के पास गोला-बारूद की कमी हो गई। इससे विचलित होकर उन्होंने श्री हर्षपाल सिंह की तरफ ग्रेनेड्स दागने शुरू कर दिए जिसमें वे छर्रों से बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें पैर, पसलियों और सिर पर गंभीर चोटें आईं, छाती पर गोलियां लगने से वे पहले ही बुरी तरह से घायल थे। दूसरी बार बुरी तरह से घायल हो जाने के बावजूद श्री हर्षपाल सिंह मैदान में डटे रहे और आतंकवादियों पर लगातार फायरिंग करते रहे।

सेना की मजबूत स्थिति सहित आतंकवादियों की कमजोर पड़ती स्थिति को भांपते हुए अत्यधिक रक्तसाव से पीड़ित श्री हर्षपाल सिंह और उनके घायल साथी को चिकित्सा सहायता के लिए मैदान छोड़ने का आग्रह किया गया। तदनुसार उनके दल द्वारा कवर फायर के दौरान दोनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और इसके पश्चात् उन्हें सुरक्षित रूप से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। शेष दोनों आतंकवादियों को उनके दल द्वारा आपसी गोलाबारी में मार गिराया गया। सभी तीनों जेईएम विदेशी आतंकवादियों को सैन्य टुकड़ियों द्वारा मार गिराया गया, इन आतंकवादियों से 03 एके राइफल, 01 ग्लोक पिस्टल और भारी मात्रा में गोलाबारूद एवं विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

संक्रिया के दौरान श्री हर्षपाल सिंह, उप कमाण्डेंट ने अपनी सैन्य टुकड़ियों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की सुरक्षा के लिए अपनी जिंदगी की परवाह न करते हुए असाधारण नेतृत्व क्षमताओं, संयम तथा नैतिक साहस का प्रदर्शन किया।

2. 16116742एफ सैपर स्वर्गीय प्रकाश जाधव दि कोर आफ इंजीनियर्स/प्रथम बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 27 नवम्बर 2018)

जिला अनंतनाग (जम्मू और कश्मीर) रेडवानी बाला में आतंकवादियों के मौजूद होने की वास्तविक सूचना प्राप्त होने पर एक घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया।

27 नवम्बर 2018 को, लगभग 0330 बजे सैपर प्रकाश जाधव, जो की तलाशी दल की अगुवायी कर रहे थे, ने रक्षा कवच की मदद से लक्षित घर में प्रवेश किया। तलाशी दल को सिढीयों से ऊपर आते हुए देख कर, आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने साथी के लिये गंभीर खतरा भांपते हुए, सैपर प्रकाश जाधव ने अपने साथी को पीछे धकेला तथा अपनी जान की परवाह ना करते हुए, आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बीच, जवाबी गोलीबारी की और एक आतंकवादी को तुरन्त मार गिराया। उसी दौरान दूसरे आतंकवादी ने तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और पेट्रोल बम से हमला किया। सैपर प्रकाश जाधव ने अपने साथियों को घर से बाहर निकलने के निर्देश दिये। उसी दौरान, उन्हें गोली लग गई परंतु अपने घावों की परवाह किये बिना, निडरतापूर्वक से आतंकवादी पर घात लगाकर गोलीबारी की और दूसरे आतंकवादी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। पेट्रोल बम की आग सारे घर में फैल गई, जिसके कारण सैपर प्रकाश जाधव घर से बाहर निकलने में विफल रहे और गंभीर घावों तथा आग की लपटों में झुलस जाने के कारण शहीद हो गए।

सैपर प्रकाश जाधव ने अदम्य साहस, कर्तव्यपरायणता, अनुकरणीय वीरता दिखाते हुए भारतीय सेना के सच्ची परम्परा के अनुसार अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 115-प्रेज/2019—राष्ट्रपति शत्रु के समक्ष वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्ति को “वीर चक्र” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. विंग कमांडर वर्तमान अभिनंदन (27981) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 27 फरवरी 2019)

विंग कमांडर वर्तमान अभिनंदन (27981) उड़ान (पायलट) 19 मई 2018 से एक मिग 21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

विंग कमांडर अभिनंदन 27 फरवरी 2019 को वायु सेना स्टेशन श्रीनगर में ऑपरेशनल रेडिनेस प्लेटफॉर्म पर तैनात थे। 09:55 बजे पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू वायुयानों को, जिनमें चौथी पीढ़ी के उन्नत एफ-16 तथा जे एफ-17 शामिल थे, नियंत्रण रेखा की ओर बढ़ते हुए देखा गया। शत्रु के वायुयान आधुनिक किस्म के लम्बी दूरी तक मार करने वाली (बीवीआर) मिसाइलों तथा उच्च क्षमता वाले हथियारों से सज्जित थे। शत्रु के वायुयान लगातार शत्रु के हवाई रेडार के नियंत्रण में थे। लगभग 10:00 बजे विंग कमांडर अभिनंदन को तुरंत शत्रु के वायुयानों को रोकने के लिए संदेश (स्कैम्बल) दिया गया। शत्रु की संख्या बल एवं तकनीक के अत्यंत श्रेष्ठ होने के बावजूद इन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा की कोई परवाह नहीं की और दुश्मन के वायुयानों का सामना करने के लिए पूरी निर्भीकता के साथ आगे बढ़े। इस स्थिति में इन्हें शत्रु के वायुयानों के काफी अधिक ऊंचाई पर होने की सूचना दी गई। असाधारण हवाई समाघात सूझ-बूझ और शत्रु की रणनीति की जानकारी होने का प्रदर्शन करते हुए विंग कमांडर अभिनंदन ने अपने वायुयान वाहित एयर इंटरसेप्ट (एआई) रेडार से निम्न ऊंचाई के वायु क्षेत्र का निरीक्षण किया और पाया कि दुश्मन का वायुयान भारतीय लड़ाकू इंटरसेप्टर वायुयान पर घात लगाकर हमला करने के लिए निम्न ऊंचाई पर उड़ान भर रहा है।

विंग कमांडर अभिनंदन ने इस अप्रत्याशित खतरे के प्रति अन्य पायलटों को सचेत किया। इसके बाद इन्होंने भारतीय सेना के ठिकानों पर अस्त्र गिरा रहे पाकिस्तानी वायु सेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए अपने विंगमैन के साथ मिलकर एक आक्रामक विरचना बनाई। इस आक्रामक रणनीति से शत्रु के वायुयान पूरी तरह तितर-बितर हो गये। इसके बाद शत्रु के सभी वायुयान वापस मुड़ गए जिनमें वे वायुयान भी शामिल थे जिन्हें अभी हवा से जमीन पर अस्त्र गिराने थे।

इसके बाद विंग कमांडर अभिनंदन ने शत्रु के लौटते हुए लड़ाकू/बमवर्षक वायुयानों का पीछा किया और बाद की हवाई लड़ाई में अपने वायुयान पर मौजूद मिसाइल से एक एफ-16 वायुयान को मार गिराया। तथापि इस घनघोर युद्ध में शत्रु के एक वायुयान ने कई उन्नत बीवीआर मिसाइलें दागी जिनमें से एक विंग कमांडर अभिनंदन के वायुयान से टकरा गई और इन्हें शत्रु की सीमा में उतरने के लिए बाध्य होना पड़ा।

एक युद्धबंदी के रूप में कैद होने के बावजूद वह पूरे संयम, बहादुरी और गरिमापूर्ण तरीके से शत्रुओं से पेश आये। जब तक इन्हें 01 मार्च 2019 को वापस सौंपा गया तब तक इन्होंने असाधारण दृढ़ता बनाए रखी। इनके इस कार्य से सभी सशस्त्र बलों का और खास तौर पर भारतीय वायुसेना का मनोबल बढ़ा।

विंग कमांडर वर्तमान अभिनंदन ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, अपने कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण तथा शत्रु के सामने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 116-प्रेज/2019—राष्ट्रपति वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को “शौर्य चक्र” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री इमरान हुसैन टाक, उपनिरीक्षक, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 17 नवम्बर, 2017)

दिनांक 17.11.2017 को एक वाहन जो श्रीनगर के जकूरा क्षेत्र की ओर आगे बढ़ रहा था, उसमें आतंकवादी होने की सूचना श्रीनगर पुलिस द्वारा भेजी गई थी और उपर्युक्त सूचना मिलते ही पुलिस स्टेशन जकूरा और एसडीपीओ जकूरा की पूर्ण कमान में उपनिरीक्षक श्री इमरान हुसैन टाक के नेतृत्व में पुलिस क्षेत्र श्रीनगर द्वारा संयुक्त नाकाबंदी स्थापित कर दी गई। नाकाबंदी को अंजाम देने के तुरन्त बाद सफेद रंग की सेंट्रो कार नाकाबंदी दल के पास पहुंची जिसे रोकने के लिए उपनिरीक्षक इमरान हुसैन ने सिगनल दिया और उसके बाद एसपीओ सुहैल अहमद ने सिगनल दिया। फिर भी वाहन में सवार व्यक्तियों ने उपनिरीक्षक इमरान हुसैन और अन्य पुलिस कार्मिक जो नाकाबंदी दल का भाग थे, उनकी दिशा में गोलीबारी कर दी जिससे उपनिरीक्षक इमरान हुसैन और एसपीओ सुहैल अहमद गोलियों से गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली से जख्मी होने के बावजूद भी उपनिरीक्षक ने असाधारण बहादुरी का परिचय देते हुए उस आतंकवादी जिसने उपनिरीक्षक को निशाना बनाया था उस पर उसी क्षण जवाबी गोलीबारी कर दी जिससे आतंकवादी गोली लगने के कारण घायल हो गया। अपनी कुशाग्रता का प्रयोग करते हुए उपनिरीक्षक ने वाहन को रोकने के उद्देश्य से उस आतंकवादी पर गोलीबारी की जो वाहन को चला रहा था। आतंकवादी वाहन का संतुलन खो बैठा और कुछ दूरी तय करके कार रुक गई और वे कार से बाहर निकले, वहां से भागने की कोशिश में आतंकवादियों ने नाकाबंदी दल की ओर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। उपनिरीक्षक यह देखकर कि आतंकवादी उस क्षेत्र से भागने की फिराक में हैं, उन्होंने अपने शरीर से लगातार रक्तस्राव के बावजूद उनका पीछा किया जबकि उनको तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। उन्होंने अपने साथियों जो उनको अस्पताल में शिफ्ट करने की कोशिश कर रहे थे उन के प्रयासों के बावजूद आतंकवादियों का पीछा करना जारी रखा तथा भीषण गोलीबारी के साथ उनका मुकाबला किया। चूंकि वह खुला स्थान था और वहां पर कोई बचाव नहीं है जिसका अधिकारी सहारा ले सके इसलिए वे सुभेद्य स्थिति में रहते हुए भी आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई करते रहे। उपनिरीक्षक ने आतंकवादियों को इस तरह से चुनौती दी मानो कि वह आतंकवादियों को मार गिराने तक किसी भी प्रकार से घायल नहीं हैं जिसके परिणामस्वरूप वह एक प्रमुख आतंकवादी कमांडर को मार गिराने में सफल हो गए। आतंकवादियों का मुकाबला करने के दौरान वह उनके इतने नजदीक पहुंच गए कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ दूसरे आतंकवादी को अपने कब्जे में लेकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

श्री इमरान हुसैन टाक आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी के दौरान गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और दुर्भाग्यवश गंभीर जख्मों की वजह से खून की कमी होने के कारण शहीद हो गए।

2. श्री आशिक हुसैन मलिक, विशेष पुलिस कार्मिक, जम्मू एवं कश्मीर (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 जून, 2018)

श्री आशिक हुसैन पुत्र श्री मोहम्मद मकबूल मलिक निवासी अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर को जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले में एसपीओ के रूप में तैनात किया गया था।

दिनांक 21/22/06.2018 को जम्मू एवं कश्मीर द्वारा मोहम्मद युसुफ राथेर के मकान में आतंकवादी होने की विशिष्ट सूचना मिली थी। तदनुसार अनंतनाग पुलिस द्वारा के.रि.पु.ब. की 03 आरआर, 90 बटालियन की सहायता से संक्रिया की योजना बनाई गई तथा उसे अंजाम दिया गया। आतंकवादियों की मौजूदगी होना सुनिश्चित किया गया तथा लक्षित स्थान के चारों ओर घेराबंदी प्रक्रिया और कड़ी कर दी गई। तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़कर वहां से भाग निकलने के उद्देश्य से संयुक्त अभियान कार्मिकों पर गोलियों की बौछार कर दी। बिना किसी भारी क्षति के आतंकवादी का सफाया करने के लिए उसी स्थान पर प्रहारक दल गठित किए गए। एसपीओ आशिक हुसैन मलिक ने इस कार्य को स्वयं ही स्वेच्छा से स्वीकार किया और लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने लगे। चूंकि आतंकवादियों के पास भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद थे तथा प्रशिक्षित थे इसलिए उन्होंने आगे बढ़ने के लिए प्रहारक दलों पर अंधाधुंध

गोलीबारी प्रारंभ कर दी। एसपीओ श्री आशिक हुसैन मलिक अपने जीवन की चिन्ता न करते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ जवाबी गोलीबारी करते हुए लक्ष्य की ओर आगे बढ़े तथा छिपे हुए आतंकवादियों के निकट सामीप्य में पहुंचने में सफल रहे। प्रहारक दलों ने एसपीओ का गोलीबारी से बचाव किया तथा निकट से आमने-सामने की गोलीबारी के दौरान एसपीओ श्री आशिक हुसैन मलिक गोलियों से घायल हो कर अंततः शहीद हो गए।

श्री आशिक हुसैन मलिक ने पेशेवर और साहस के सर्वोच्च स्तर का प्रदर्शन किया जिसके कारण सभी चारों सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया गया।

### 3. 4101010के राईफलमैन अजवीर सिंह चौहान छठी बटालियन दि गढ़वाल राईफलस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 18 अगस्त 2018)

राईफलमैन अजवीर सिंह चौहान दिनांक 18 अगस्त 2018 को एम्बुश पर बेला-चार जिला कुपवाड़ा (जम्मू और कश्मीर) में तैनात थे।

सतर्कता के साथ अपना कार्य करते हुए उन्होंने 1215 बजे एंटी इनफिल्ट्रेशन ऑब्सेरवेटकल सिस्टम पर संदिग्ध गतिविधि देखी जिसे देखते हुए उन्होंने अपने साथी राईफलमैन प्रीतम सिंह के साथ उपयुक्त जगह पर मोर्चा ले लिया, तभी आतंकवादियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने अपने साथी को जमीन पर लेट जाने को कहा और दोनों ने रेंगते हुए नजदीकी पेड़ तक पहुँचकर आड़ ले ली। राईफलमैन अजवीर ने आतंकवादियों के अंधाधुंध गोलाबारी करने के बावजूद भी अपने फायर को नियंत्रित रखा और अपने साथी को भी ऐसा ही करने के लिए निर्देश दिया। अंधाधुंध गोलाबारी की वजह से जब आतंकवादियों का असला-बारूद खत्म हो गया, तब दो आतंकवादी लाईन ऑफ कंट्रोल की तरफ भागने की कोशिश करने लगे। यह देखते हुए वे रेंगते हुए आगे बढ़े और आमने-सामने की लड़ाई में दोनों आतंकवादियों को नजदीक से मार गिराया। उसके बाद वे रेंगते हुए दूसरे स्थान पर पहुँचे और तीसरे आतंकवादी को अपने फायर से व्यस्त रखा, जिसको उनके साथी राईफलमैन प्रीतम ने मार गिराया।

राईफलमैन अजवीर सिंह को उनके अदम्य साहस, सामरिक कार्यकुशलता, सूझ-बूझ तथा अपनी जान की परवाह न करते हुए तीन में से दो आतंकवादियों को मार गिराने के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित करने की सिफारिश की जाती है।

### 4. 9112648एल राइफलमैन शिव कुमार दि जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैन्ट्री/31 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफलस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 31 अगस्त 2018)

राइफलमैन शिव कुमार 31 अगस्त 2018 को क्षेत्र दन्ना टॉप जिला बांदीपोरा (जम्मू और कश्मीर) में तलाश और मिशन का हिस्सा थे।

31 अगस्त 2018 को लगभग 0718 बजे राइफलमैन शिव कुमार ने आतंकवादियों की बहुत करीबी हलचल को देखा। उन्होंने यह तुरंत महसूस किया की उनके टीम कमांडर जिन्होंने आतंकवादी को नहीं देखा था, वह उनकी फायरिंग की चपेट में आ सकते हैं। टीम कमांडर को खतरे में देखते व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा करते हुए राइफलमैन शिव कुमार ने आतंकवादियों पर हमला किया। वह आतंकवादियों की भारी मात्रा में हो रही फायरिंग की चपेट में आ गए और गोलियां लगने से घायल हो गए। जिससे उनका हथियार उनके हाथों से छूट गया। अत्यधिक घायल होने के उपरांत भी उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और आतंकवादियों की तरफ निहते बढ़कर आतंकवादी को पकड़ लिया तथा अपने हाथों से ही उसको मार गिराया। अपने ड्रप पर खतरे को देखते हुए उन्होंने अपने जख्मों से हारने से पहले आतंकवादी के हथियार को उठाकर दूसरे आतंकवादी को भी घायल कर दिया तथा अंत में वीरगति प्राप्त किया।

राइफलमैन शिव कुमार ने असाधारण बहादुरी और उदाहरणीय साहस दिखाते हुए एक खुंखार आतंकवादी को मार गिराया और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

### 5. कांस्टेबल जाकिर हुसैन, के.रि.पु.ब.

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 13 सितम्बर, 2018)

12 सितम्बर, 2018 की सुबह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को झाझर कोटली के निकट 03 विदेशी आतंकवादी की उपस्थिति की सूचना मिली थी। तदनुसार केन्द्रीय पुलिस बल, पुलिस और सेना की टुकड़ियों द्वारा उनके सीमांकित क्षेत्रों में संयुक्त तलाशी और विनाश करने संबंधी संक्रिया को अंजाम दिया गया। सैन्य टुकड़ियों ने सभी संभावित स्थानों पर तलाशी की परन्तु देर रात तक आतंकवादियों के ठिकाने का पता नहीं चल सका जबकि परिस्थितियां उनके उसी क्षेत्र में होने की ओर इशारा कर रही थीं।

13 सितम्बर, 2018 को 1055 बजे श्री हर्षपाल सिंह को 06 बटालियन के कमाण्डेन्ट के साथ काकरयाल में तलाशी ड्यूटी के दौरान धीरती ग्राम के एक मकान में 03 विदेशी आतंकवादी होने की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई और वह छोटे दल के साथ उस स्थान की ओर तत्काल चल पड़े। मकान मालिक ने सुरक्षा बलों को उक्त सूचना दी थी और वह उनके आने की प्रतीक्षा में गांव के बाहर था। गांव में पहुंचकर श्री हर्षपाल सिंह ने आतंकवादियों और मकान के बारे में तथ्यों का पता लगाया। जैसा सूचित किया गया था, लक्षित मकान में लोहे की गिल के साथ एक खिड़की सहित दक्षिण की दिशा में एक ही प्रवेश द्वार था। उक्त मकान के अन्दर मौजूद तीनों आतंकवादियों के पास भारी मात्रा में गोलाबारूद था।

उस मकान तक पहुंचने के लिए गोलियों के सामने अपर्याप्त सुरक्षा के साथ खुला क्षेत्र था। लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ाना घातक निर्णय हो सकता था क्योंकि आतंकवादी सशस्त्र थे और पहुंच मार्ग पर उनकी सीधी नजर थी। सैन्य टुकड़ियों की कार्रवाई की गोपनीयता तथा अप्रत्याशित कार्रवाई का खुलासा होने का भी जोखिम था। एक छोटी सी चूक से आतंकवादी सतर्क होकर आगे बढ़ने वाली सैन्य टुकड़ियों को निशाना बना सकते थे और वहां से भाग निकलने में सफल हो सकते थे। यह स्थिति अत्यंत गंभीर थी और इसमें कामयाबी के लिए असाधारण प्रयासों की जरूरत थी। ऐसी स्थिति में श्री हर्षपाल सिंह ने सच्चे नेतृत्व का प्रदर्शन करके स्थिति का आकलन किया और अपने साथी कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ मोर्चे का सामना करने के लिए दल का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। रणनीतिक कुशाग्रता और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अपने साथ कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ लक्षित मकान की ओर घुटनों के बल पर आगे बढ़ाना प्रारंभ कर दिया। दोनों ही व्यक्ति चुपके से आगे बढ़ते हुए रिक्त स्थान को पार करके लक्षित मकान के निकट पहुंच गए जहां से वे मकान का दरवाजा और खिड़की देख सकते थे। शेष सैन्य टुकड़ियां, लघु कार्रवाई दल उन दोनों बहादुरों का अनुसरण कर रही थीं।

सैन्य टुकड़ियों द्वारा आगे बढ़कर लक्षित मकान के निकट उपयुक्त मोर्चा संभालने की कोशिश के दौरान आतंकवादियों ने अपने चारों ओर सुरक्षा बल की तैनाती को भांप लिया और उन्होंने सुरक्षा बलों पर भारी मात्रा में गोलीबारी प्रारंभ कर दी। चूंकि हर्षपाल सिंह और कांस्टेबल जाकिर हुसैन सामने ही थे इसलिए उन दोनों को ही आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। तथापि उन्होंने अपने सहज प्रतिक्रियाओं का प्रदर्शन करके छरों की बरसात से अपने जीवन को सुरक्षित बचा लिया और एक बंधिका के पीछे से मोर्चा संभाल लिया। सैन्य टुकड़ियों ने तत्काल आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। बंधिका और लक्षित मकान के बीच में ऊंची झाड़ियां थी। इन झाड़ियों से सैन्य टुकड़ियों की कार्रवाई में बाधा उत्पन्न हो रही थी क्योंकि आतंकवादियों की गोलीबारी से बचने में वे न तो सहायक थी न ही वे सैन्य टुकड़ियों को अपना मोर्चा देखने में सहायता कर रही थी। यदि ऐसी ही स्थिति बनी रहती तो आतंकवादी उस स्थान से सुरक्षित भाग निकलने में सफल हो जाते। संभावनाओं और मौका हाथ से निकलने को भांपते हुए श्री हर्षपाल सिंह अपने साथी के साथ घुटने के बल पर उस मोर्चे की तलाश में आगे बढ़ते रहे, जहां से वे प्रभावी जवाबी हमला कर सकते थे। इस विस्मयकारी और अत्यंत जोखिमपूर्ण कार्य के साथ दोनों बहादुरों ने शत्रु की गोलीबारी के निकट ही मोर्चा संभाल लिया था। वे लक्षित मकान के निकट लगभग 10-15 मीटर दूर पहुंचने में सफल हुए फिर भी झाड़ियों की बाधाएं अभी भी थीं। अभी भी दोनों ने जीवन को अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थितियों में रखते हुए आतंकवादियों पर गोलीबारी कर दी। श्री हर्षपाल सिंह और कांस्टेबल जाकिर हुसैन द्वारा अत्यंत निकट से प्रभावी जवाबी गोलीबारी से आतंकवादियों को निशाना बनाने में उनको प्रमुख लक्ष्य मिल गया। समय पूरा हो रहा था और सैन्य टुकड़ियों को कुछ असाधारण कार्रवाई को अंजाम देना था क्योंकि जवाबी कार्रवाई प्रभावी साबित नहीं हो रही थी।

इस मौके पर श्री हर्षपाल सिंह ने समय की जरूरत को भांपते हुए आतंकवादियों के साथ आमने-सामने का मुकाबला करने का निर्णय ले लिया। उन्होंने मन-मस्तिष्क को थाम कर योजना तैयार की और अपने चारों ओर की स्थिति का जायजा लिया। अपनी रणनीतिक बुद्धिमत्ता का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपने मोर्चे के निकट एक वृक्ष की पहचान की जहां से वह खड़े होकर आतंकवादियों को निशाना बना सकते थे, यह एक मात्र ऐसा रास्ता था जिससे झाड़ियों की बाधा दूर होकर आतंकवादियों पर सीधा निशाना था। छरों की बौछार के बीच श्री हर्षपाल सिंह अपने साथी कांस्टेबल जाकिर हुसैन के साथ घुटने के बल पर पेड़ की ओर आगे बढ़े। आतंकवादी ने दोनों की ओर कार्रवाई भांपकर उनके ऊपर एक के बाद एक ग्रेनेड दाग दीं जिनका परिणाम शून्य रहा क्योंकि दोनों ही गंभीर खतरों की परवाह न करते हुए अपने अपेक्षित मोर्चे पर पहुंचने में सफल रहे।

श्री हर्षपाल सिंह ने अपने साथी सिपाही जाकिर हुसैन को झुके रहकर जब वह आतंकवादी का पीछा करे तब कवर फायर देने का निदेश दिया। इस अत्यधिक साहसिक कार्य के दौरान गोलियों की बौछार और आतंकवादियों द्वारा यूबीजीएल ग्रेनेड/शेल्ल्स चादर के बीच वे खड़े हुए एवं एक पेड़ के पीछे मोर्चा संभाला और एक आतंकवादी पर सटीक निशाना लगाया एवं उसे वहीं पर धराशायी कर दिया। जब उसके साथी आतंकवादी मृत आतंकवादी को सुरक्षित ले जाने की कोशिश कर रहे थे तब इन्होंने उनकी तरफ गोलियों की बौछार कर दी जिससे दोनों आतंकवादी बुरी तरह से घायल हो गए। वे तुरन्त पीछे हटे और घर के अन्दर मोर्चा संभाल लिया। आतंकवादियों ने श्री हर्षपाल के मोर्चे को चिन्हित किया जैसा कि वह अब उनके जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था, पर अलग-अलग दिशा से अन्धाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कम जगह होने के कारण पेड़ श्री हर्षपाल सिंह और सिपाही जाकिर हुसैन को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं



कर सका जिसके कारण दोनों आतंकवादियों की फायरिंग में गोलियां लग गईं। श्री हर्षपाल सिंह को उनकी छाती पर गोलियां लगी और सिपाही जाकिर हुसैन को उनकी जांघ पर गोली लगी। लेकिन सच्चे योद्धाओं की तरह दोनों युद्ध लड़ने के लिए अटल रहे और उन्होंने मैदान छोड़ने से मना कर दिया। बहुत अधिक खून बहाव के बावजूद दोनों बहादुर योद्धाओं ने आतंकवादियों के खिलाफ अपना प्रहार जारी रखा जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए उनके छिपे होने वाले स्थान से बचाव का कोई रास्ता नहीं बचा।

दोनों तरफ से लगातार भारी गोलीबारी के कारण आतंकवादियों के पास गोला-बारूद की कमी हो गई। इससे विचलित होकर उन्होंने श्री हर्षपाल सिंह की तरफ ग्रेनेड्स दागने शुरू कर दिए जिसमें वे छर्रों से बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें पैर, पसलियों और सिर पर गंभीर चोटें आईं, छाती पर गोलियां लगने से वे पहले ही बुरी तरह से घायल थे। दूसरी बार बुरी तरह से घायल हो जाने के बावजूद श्री हर्षपाल सिंह मैदान में डटे रहे और आतंकवादियों पर लगातार फायरिंग करते रहे।

सेना की मजबूत स्थिति सहित आतंकवादियों की कमजोर पड़ती स्थिति को भांपते हुए अत्यधिक रक्तस्राव से पीड़ित श्री हर्षपाल सिंह और उनके घायल साथी को चिकित्सा सहायता के लिए मैदान छोड़ने का आग्रह किया गया। तदनुसार उनके दल द्वारा कवर फायर के दौरान दोनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और इसके पश्चात् उन्हें सुरक्षित रूप से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। शेष दोनों आतंकवादियों को उनके दल द्वारा आपसी गोलाबारी में मार गिराया गया। सभी तीनों जेईएम विदेशी आतंकवादियों को सैन्य टुकड़ियों द्वारा मार गिराया गया, इन आतंकवादियों से 03 एके राइफल, 01 ग्लोक पिस्टल और भारी मात्रा में गोलाबारूद एवं विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

एक सच्चे सिपाही और युद्ध साथी की तरह सिपाही जाकिर हुसैन अपने कमान्डर के साथ बिना अपने जीवन की परवाह किए बहादुरी से लड़े। दोनों बहादुर योद्धाओं ने सेना की सर्वोच्च परम्परा को कायम रखते हुए अदम्य एवं अनुकरणीय शौर्य का प्रदर्शन किया।

#### 6. अमित सिंह राणा, एल एम ई, 231243-बी

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 21 सितम्बर, 2018)

मई 18 से अमित सिंह राणा, एल एम ई को ऑपरेशन रक्षक के लिए जम्मू और कश्मीर में तैनात किया गया था, जहां इन्होंने कई ऑपरेशनों में भाग लिया था। ऑपरेशन 'शोक बाबा' और ऑपरेशन डन्ना जैसे दो ऑपरेशनों के दौरान इन्होंने अनुकरणीय साहस, रणनीतिक सूझ-बूझ और उच्च स्तर की बहादुरी का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों को निष्क्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

20-21 सितंबर को ये एक कोरडोन और खोजी ऑपरेशन में 14 आर आर के साथ ऑपरेशन 'शोक बाबा' में शामिल थे, जहां आतंकवादियों को शोक बाबा नामक गांव के एक घर में घेरा गया था। भारी क्षमतावान हथियारों से गोलाबारी करने और ग्रेनेड दागने के बावजूद भी आतंकवादी गौशाला में सुरक्षित छिपे बैठे थे। ठीक इस दौरान, ए एस राणा और उनकी टीम गौशाला के उस स्थान को भारी आई ई डी से ध्वस्त करने के लिए स्वेच्छा से आगे बढ़ी। बाकी के मारकोस द्वारा दिए गए कवर फायर में इस बहादुर सैनिक ने तेजी से स्थिति के अनुकूल गौशाला में आई ई डी रख दिया। इस मनुवरिंग के दौरान गौशाला में छिपे आतंकवादियों ने उन पर गोलियां दागीं। उत्कृष्ट युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए और गोलाबारी के नियमों का पालन करते हुए इस नौसैनिक ने आई ई डी का प्रयोग कर बहादुरी के साथ गौशाला को उड़ा दिया और तीन आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

ऑपरेशन डन्ना में लेफ्टिनेंट कमांडर महेश कुमार के सहयोगी के रूप में, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की जरा भी परवाह किए बिना अपने अफसर को कवर फायर देते हुए बेहद करीब से एक आतंकवादी को मार गिराया। भारतीय सेना ने भी दोनों ऑपरेशनों के दौरान इस नौसैनिक की भूमिका की सराहना की थी। इन दो, एक के बाद एक हुए लगातार ऑपरेशनों में आठ विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया। अमित सिंह राणा, एल एम ई, ने आतंकवादियों के खिलाफ लड़ते हुए उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक कुशलता और असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया।

#### 7. 19000555एम लांस नायक संदीप सिंह चतुर्थ बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 सितंबर 2018)

22 सितंबर 2018 को लांस नायक संदीप सिंह कैप्टन गुरजीत सिंह सैनी के नेतृत्व में विशेष बल के उस दल के प्रथम स्काउट थे जिन्होंने 12,500 फुट ऊँचाई वाले रेतनार इलाके में खुंखार विदेशी आतंकवादियों की घुसपैठ रोकने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। चट्टानी और वनस्पती रहित इलाका होने के कारण ऑपरेशन की परिस्थितियों को ओर भी कठिन बना दिया।

ऑपरेशन के दौरान लांस नायक संदीप सिंह ने आतंकवादियों के सटीक स्थान का पता लगाया और अपने दल को तुरंत सतर्क किया। उनका दल सही स्थान पर जा ही रहा था कि आतंकवादियों ने उनके ऊपर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। अपने दल के सदस्यों को

खतरे में देखकर लांस नायक संदीप सिंह ने युद्ध कौशलता दिखाते हुए आतंकवादियों के नजदीक चले गए और राइफल के दुरुस्त फायर से एक आतंकवादी को मार गिराया। बचे हुए आतंकवादियों में से एक आतंकवादी ने संदीप सिंह के ऊपर ग्रेनेड फेंका जिसके कारण वो जख्मी हो गए। आतंकवादियों ने फिर उनके दल के ऊपर गोलाबारी शुरू कर दी। अपने दल के ऊपर गोलाबारी कम करने के लिए संदीप सिंह ने साहस का परिचय देते हुए दो अन्य आतंकवादियों की ओर बढ़े और उन्हें अपनी ओर व्यस्त किया, इसी दौरान एक आतंकवादी की गोली लांस नायक संदीप सिंह को लगी, जिस कारण उनकी राइफल नजदीकी खाई में गिर गई। लांस नायक संदीप सिंह ने खुद की परवाह न करते हुए अपने दल को बचाने के लिए आतंकवादियों के साथ गुथमगुत्था का युद्ध शुरू कर दिया। इसी बीच उनका दल सुरक्षित आड़ में चला गया। गुथमगुत्था की लड़ाई के दौरान तीसरे आतंकवादी ने लांस नायक संदीप सिंह के ऊपर फिर गोलाबारी की, जिस कारण वो प्राणघात जख्मी हो गए।

लांस नायक संदीप सिंह ने अदम्य साहस, असाधारण वीरता, निस्वार्थता और अपनी जान की परवाह न करते हुए एक खुंखार विदेशी आतंकवादी को मार गिराया और दो अन्य आतंकवादियों को बुरी तरह से घायल किया। लांस नायक संदीप सिंह ने अपने प्राणों का बलिदान देते हुए भारतीय सेना की परम्पराओं के अनुसार राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और अपने दल के सदस्यों को सुरक्षित रखा जिस कारण उनका दल तीन अन्य आतंकवादियों का खात्मा करने में सफल रहा।

#### 8. श्री सुभाष चंद्र, हैड कांस्टेबल, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 19 अक्टूबर, 2018)

19 अक्टूबर, 2018 को करालहर राष्ट्रीय राजमार्ग रेल्वे क्रॉसिंग, बारामुला में बारामुला के पुलिस घटक एवं सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन द्वारा एक संयुक्त नाका (वाहन एवं सिविलियन जांच पाइन्ट) की स्थापना की थी। इस प्रक्रिया में हैड कांस्टेबल श्री सुभाष चंद्र की अगुवाई में नाका पार्टी द्वारा वाहनों एवं पैदल नागरिकों की जांच की जा रही थी।

13.30 बजे अपराहन में बारामुला कस्बे की तरफ आ रही एक काले रंग की स्कोर्पियो को नाका पार्टी द्वारा नियमित जांच के लिए रोकने का संकेत दिया गया। वाहन में सवार सभी यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपनी पहचान साबित करने के लिए कहा गया। अचानक वाहन में सवार एक यात्री ने एके-47 राइफल निकाल ली और हैड कांस्टेबल सुभाष चंद्र पर फायर कर दिया, इसी बीच उन्होंने आतंकवादियों के इरादे भाप लिए और वे अपने आपको रक्षात्मक स्थिति में लाकर चमत्कारिक रूप से बच गए। वाहन में सवार लगभग आठ और लोगों के साथ निर्दोष लोगों की जान बचाने के साथ-साथ आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए यह एक बेहद कठिन घड़ी थी। इसी बीच एक सिविल यात्री जिसने वाहन से उतरने की कोशिश की लेकिन आतंकवादी ने उसे बन्धक बनाने एवं बचाव के लिए कवर बनाने का प्रयास किया। सिविल यात्री किसी तरह हैड कांस्टेबल सुभाष चंद्र के पास पहुंचने में कामयाब रहा और हैड कांस्टेबल सुभाष चंद्र इस सिविलियन यात्री के लिए मानव कवच बन गए, उसे शील्ड करते हुए आतंकवादी ने सुभाष की तरफ अन्धाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी जो सौभाग्य से उन्हें और सिविलियन यात्री को नहीं लगी, अब जबकि एक आतंकवादी अब भी वाहन में था और 2 महिलाओं सहित तीन यात्रियों को उसने बन्धक बना रखा था, एक अन्य आतंकवादी अचानक वाहन से उतरा और अन्धाधुंध गोलियां चलाने लगा। हैड कांस्टेबल सुभाष चंद्र ने बेहद सूझबूझ का परिचय देते हुए और अचूक निशानेबाजी के साथ आतंकवादी पर निशाना साधा जो फायरिंग के दौरान मारा गया। अब सबसे बड़ी चुनौती 3 सिविलियन नागरिकों को बचाने की थी, उसने उन्हें आतंकवादियों का ध्यान बंटते हुए वाहन से उतरने का इशारा किया। हैड कांस्टेबल सुभाष ने अचानक एक स्टंट ग्रेनेड सड़क की तरफ फेंका जिससे एक धमाके के साथ विस्फोट हुआ, इससे कुछ क्षणों के लिए आतंकवादियों का ध्यान बंट गया और इसी क्षण यात्री वाहन से उतर गए जिससे हैड कांस्टेबल सुभाष को आतंकवादियों पर हावी होने का मौका मिल गया और पुलिस/सीआरपीएफ/सेना की अन्य टुकड़ियों से कवर फायर के साथ सशस्त्र आतंकवादी को मार गिराया गया।

अत्यधिक जोखिमभरी स्थिति में 4 आम नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए हैड कांस्टेबल सुभाष चंद्र ने अदम्य साहस का परिचय दिया और उसी क्षण प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 02 दुर्दान्त पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

#### 9. श्री सावले ध्यानेश्वर श्रीराम, कांस्टेबल, 53वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बारामुला, जम्मू एवं कश्मीर

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 19 अक्टूबर, 2018)

दिनांक 19 अक्टूबर, 2018 को 53वीं बटालियन के सी काय को 50G बारामुला के घटकों के साथ पीएस एवं जिला बारामुला (जम्मू एवं कश्मीर) के तहत ओल्ड ज्वाइंट इंटेरोगेशन सेंटर (जेआईसी) करालहर में नाका ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर श्रीराम को श्रीनगर बारामुला रोड पर जा रहे वाहनों की जांच कर रहे एसओजी कार्मिकों को कवर करने का दायित्व सौंपा गया था।

लगभग 1330 बजे श्रीनगर की तरफ से आती हुई JK-01-L-5792 नम्बर की काली स्कोर्पियो को वाहन की तलाशी के लिए नाका पार्टी द्वारा रोका गया था। वाहन में दो पुरुष यात्री सवार थे, एक चालक की साथ वाली सीट पर बैठा था और दूसरा दो महिला यात्रियों के साथ चालक के पीछे बीच वाली सीट पर बैठा था। दो अन्य महिला यात्री वाहन के सबसे पीछे वाली सीट पर बैठी थी। जैसे ही वाहन रुका तो उसमें सवार यात्रियों से सिविल पुलिस कार्मिकों ने वाहन से नीचे उतरने और तलाशी प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा।

एक महिला यात्री वाहन से अचानक नीचे उतरी और हड़बड़ी में इधर-उधर भागने लगी। उप-निरीक्षक सी राजेन्द्रन जो पार्टी कमान्डर थे ने किसी गड़बड़ी की आशंका को भांपते हुए तुरन्त नाके पर तैनात सभी कार्मिकों को सतर्क कर दिया। कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर ने संदिग्ध वाहन की तरफ किसी गड़बड़ी की आशंका को भांप लिया। चालक की साथ वाली सीट पर बैठे उग्रवादी को दुबारा वाहन से उतरने के लिए कहा गया। अपने आपको घिरा हुआ देखकर वह वाहन से आराम से उतर गया। उसकी सीट के पास एक बन्दूकों से भरा हुआ थैला रखा था। तलाशी दल ने उसे बन्दूकों से भरा थैला खोलने को कहा। अचानक पलक झपकते ही उसे अपनी जैकेट से एक पिस्टल बाहर निकाली और वाहन की तलाशी ले रहे कार्मिक पर गोली चला दी जो निशाने पर नहीं लगी। सिपाही सावले ध्यानेश्वर श्रीराम वाहन के नजदीक पहुंच गए। इससे पहले कि वे स्थिति को समझ पाते उग्रवादी ने उन्हें करीब देखकर उनपर गोलियों की बौछार कर दी। फुर्ती दिखाते हुए सिपाही सावले ध्यानेश्वर श्रीराम ने अपने आप को इस घातक हमले से बचाया। फिर भी अपने जीवन को उत्पन्न इस गंभीर खतरे की परवाह किए बिना उन्होंने उग्रवादी पर हमला करते हुए अपने सटीक निशाने से वहीं मार गिराया।

इसी बीच सुरक्षा बलों और उसके साथी उग्रवादी के बीच जारी मुठभेड़ का फायदा उठाते हुए बीच की सीट पर बैठा वाहन सवार वाहन से उतर गया और दायीं तरफ नीचे सड़क की तरफ अपनी एके राइफल से गोली चलाते हुए और साथ-साथ सुरक्षा बलों को अपना पीछा करने से रोकने के लिए ग्रेनेड फेंकते हुए भागने लगा। उस तरफ तैनात सिपाही अंकेश संगमा ने भागते हुए उग्रवादी पर फायर किया जिससे कि उसे भागने से रोका जा सके। उस तरफ से उग्रवादी ने भारी रुकावट को देखते हुए आबादी क्षेत्र की एक संकरी पगडण्डी की तरफ रुख किया और भागने लगा। कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर श्रीराम ने इसी दौरान पहले वाले उग्रवादी को मार गिराया, भागते हुए उग्रवादी को पकड़ने के लिए इसके पीछे दौड़े। उप-निरीक्षक सी राजेन्द्रन, कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार और कांस्टेबल प्रनब कालिता उसका नजदीकी से पीछा कर रहे थे। उग्रवादी की दौड़ उस समय थम गई जब वह एक घर के चारों तरफ लगी टिन शीट की बाड़ में घुस गया। उसने इससे बचाव करने की कोशिश की परन्तु वह इसमें असफल रहा। जब वह दूसरी दिशा में दौड़ने के लिए मुड़ा तो वह पहले से ही घिर चुका था। उसका पीछा करने वाले दल जिसका नेतृत्व कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर श्रीराम कर रहे थे, उग्रवादी के नजदीक आ गए और इन्होंने मोर्चा संभाल लिया। उग्रवादी ने वहां से बचकर निकलने के लिए सैन्य टुकड़ियों पर अन्धाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उग्रवादी का पीछा कर रहे दल ने जवाबी कार्रवाई की और उसे मार गिराया। उग्रवादी ने अपने आपको कवर के पीछे कर लिया और सैन्य टुकड़ियों पर ग्रेनेड फेंकते हुए फायरिंग जारी रखी। उग्रवादी वहां से बचकर निकलने की हर संभव कोशिश कर रहा था लेकिन सैन्य बल उसके सभी प्रयासों को असफल करने के लिए दृढ़ थे। इसी बीच सिपाही सावले ध्यानेश्वर श्रीराम ने उग्रवादी पर अन्तिम हमला करने का निर्णय लिया, इससे पहले कि उग्रवादी बचकर निकलने का कोई भी प्रयास कर पाता। वे सैन्य बल के अपने साथियों के कवर फायर के साथ पूरी सावधानी से अपने कवर से बाहर आए और उग्रवादी पर एक सटीक निशाना लगाया और उसे वहीं पर ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन को पूरी तरह से सैन्य टुकड़ियों द्वारा अंजाम दिया गया जिसमें उन्होंने जेडएम के दो खतरनाक उग्रवादियों को मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान जेडएम संगठन के ए+श्रेणी के उग्रवादियों क्रमशः फैजान एवं वाहब के रूप में हुई। उनके कब्जे से एक एके-47, 02 चाइनीज पिस्टल, 1 यूबीजीएल, 02 यूबीजीएल ग्रेनेड एवं 3 चायनीज ग्रेनेड बरामद किए गए। उनके द्वारा शीघ्र ही कोई गंभीर उग्रवादी घटना किए जाने की योजना थी जिसे सैन्य टुकड़ियों द्वारा सूझ-बूझ एवं अनुकरणीय शौर्य का प्रदर्शन करते हुए असफल कर दिया गया।

इस सफल ऑपरेशन के पीछे मुख्य नायक कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर श्रीराम थे जिन्होंने जीवन को खतरे वाली स्थिति में भी अनुकरणीय वीरता, सूझ-बूझ, दृढ़ निश्चय और अपनी कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च समर्पण की भावना का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले उग्रवादी का सफाया करने में न केवल महत्वपूर्ण भूमिका अदा की बल्कि एके-47 राइफल से दूसरे उग्रवादी का सामना करने एवं उसे धराशायी करने में शीर्ष भूमिका अदा की जिसके परिणामस्वरूप उसके साथी कांस्टेबल इस ऑपरेशन में सक्रिय रूप से एवं सूझ-बूझ से शामिल होने के लिए प्रेरित हो सके। यह एक बेहद सफल ऑपरेशन था जिसमें किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ और सेना के मूल्यों और नैतिकता और मानवाधिकारों के प्रति इसकी चिन्ताओं को कायम रखा।

कांस्टेबल सावले ध्यानेश्वर श्रीराम ने सेना की सर्वोच्च परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए बेहद विपरीत परिस्थितियों में अपने कर्तव्य निर्वाह में अदम्य साहस, वीरता और असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया।

10. 2498034एफ सिपाही ब्रजेश कुमार दि पंजाब रेजिमेंट/22 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 26 अक्टूबर 2018)

26 अक्टूबर 2018, पाजलपूरा गांव (जम्मू और कश्मीर) में आतंकवादियों के छिपने की जानकारी के आधार पर सैन्य अभियान शुरू किया गया। पहले आतंकवादी को 0420 बजे अपने जवानों द्वारा मार गिराने पर दूसरा आतंकवादी मेजर सागर प्रकाश परदेशी, सेना मेडल की तरफ बढ़ने लगा। अपने साथियों पर खतरे को महसूस करते हुए सिपाही ब्रजेश कुमार बाहर निकले और दूसरे आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल किया और निकासी के रास्ते को रोका। परंतु दूसरा आतंकवादी फिर भी रेंगते हुए आगे बढ़ता रहा और सिपाही ब्रजेश कुमार की तरफ ग्रनेड फेंका जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल होने के बावजूद उन्होंने निकासी से इंकार किया और रेंगते हुए आगे बढ़े और दूसरे आतंकवादी को गुथम-गुथ्या की लड़ाई में मार गिराया।

सिपाही ब्रजेश कुमार ने अदम्य साहस, वीरता एवं उत्कृष्ट मनोवृत्ति का प्रदर्शन करते हुए श्रेणी ए ++ पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया।

11. आई सी-64585ए लेफ्टिनेंट कर्नल अजय सिंह कुशवाह दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स/तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 नवंबर 2018)

जिला अनंतनाग (जम्मू और कश्मीर) में दिनांक 22 नवंबर 2018 की रात 2355 बजे आतंकवादियों की उपस्थिति की विशेष खबर प्राप्त हुई। लेफ्टिनेंट कर्नल अजय सिंह कुशवाह, सेना मेडल, द्वारा तुरन्त कार्यवाही करते हुए हरकत में कर सन्दिग्ध क्षेत्र का घेराव के लिए एक छोटी सी टुकड़ी का नेतृत्व किया गया। आतंकवादियों ने घेराव का पता लगने पर बाहर निकलते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की। सामने से होती हुई गोलीबारी से व्याकुल ना होते हुए अडिग रहकर अधिकारी ने प्रमुख आतंकवादी को जवाबी गोलीबारी से बाध्य किया। अधिकारी के सटीक स्थान का पता लगने पर, चार आतंकवादियों के एक समूह ने उसके स्थान की ओर हमला किया। अदम्य साहस का परिचय देते हुए, विशिष्ट बहादुरी और निर्भक जोश के साहसी प्रदर्शन करते हुए अधिकारी ने स्थिति को नियंत्रित किया और आतंकवादियों को प्रत्यक्ष दूरी तक नजदीक आने दिया। दुश्मन की गोलीबारी के बीच अपने फौलादी इरादों को प्रदर्शित करते हुए अधिकारी ने सीमित कवर के साथ लश्कर-ए-तोएबा के दो कमांडरों (श्रेणी ए++) का सामना किया और तीव्रता के साथ गहन नजदीकी संघर्ष में निष्प्रभावित कर मार गिराया, जबकि अन्य दो आतंकवादियों को उन्होंने गंभीर रूप से घायल कर दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल अजय सिंह कुशवाह, सेना मेडल, ने असाधारण सामरिक कौशल, बेबाक साहस और विशुद्ध नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया, जिसके कारण छह कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

12. आई सी-79501वाई कैप्टन महेशकुमार भूरे दि इंजीनियर कोर/34 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 25 नवंबर 2018)

25 नवंबर 2018 को, कैप्टन महेशकुमार भूरे ऑपरेशन टीम के मिशन लीडर थे, जिसमें उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से नेतृत्व कर छह आतंकवादी कमांडरों को मार गिराया।

आतंकवादियों के घर में छुपे होने की सूचना मिलने पर कैप्टन महेशकुमार भूरे के दस्ते ने गोपनीयता से हरकत करते हुए ठिकाने की घेराबंदी की और आतंकवादियों को इसका एहसास होने से पूर्व उन्हें आश्चर्यचकित कर घरों के भीतर सीमित कर दिया। घिरे होने का आभास होते ही आतंकियों की टुकड़ी ने अंधेरे का लाभ उठाकर भीषण गोलाबारी कर भागने और घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की। मौके का फायदा उठाकर कैप्टन महेशकुमार भूरे ने गुथम-गुथ्या की लड़ाई में एक कैटेगरी ए आतंकवादी को मार गिराया और बाकी आतंकियों को घर में वापिस भागने पर मजबूर कर दिया।

तत्पश्चात् कैप्टन महेशकुमार भूरे ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए गोलाबारी में घायल हुए अपने साथी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और घेराबंदी को सुदृढ़ किया। पुनः अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए कैप्टन महेशकुमार भूरे रेंगते हुए आतंकियों के ठिकाने के निकट पहुंचे और सटीक और कारगर फायर कर उत्कृष्ट युद्ध कौशल प्रदर्शित करते हुए कैटेगरी ए आतंकवादी को ढेर कर दिया।

कैप्टन महेशकुमार भूरे ने अंधाधुंध गोलाबारी के बीच अनुकरणीय नेतृत्व, अतुलनीय साहस और सहकर्मियों के प्रति कर्तव्यनिष्ठता का परिचय दिया।

13. एस एस-44986एन मेजर विभूति शंकर डौंडीयाल इलेक्ट्रॉनिक एवं मेकेनिकल इंजीनियरिंग/55 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 17 फरवरी 2019)

बटालियन में आने के बाद से, मेजर विभूति शंकर डौंडीयाल दो पांच सफल अभियानों का नेतृत्व करते हुए अद्वितीय वीरता और असाधारण नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप पांच कट्टर आतंकवादी मारे गए।

18 फरवरी 2019 को, जब 14 फरवरी 2019 को के सी आर पी एफ काफिले पर आई ई डी हमले के लिये जिम्मेदार आतंकवादी समूह की गाँव पिंगलाना जिला पुलवामा (जम्मू और कश्मीर) में उपस्थिति की सूचना प्राप्त हुई, अधिकारी ने टुकड़ी का सामने से नेतृत्व किया।

खोजबीन के दौरान गौशाले की खोज करते समय, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलाबारी की जिसके परिणाम स्वरूप अधिकारी को कई गोली लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, अधिकारी ने अपनी रणनीति को बनाए रखा और आतंकवादी की गोलीबारी का मुँह तोड़ जवाब दिया। अपनी जान की परवाह न करते हुए, अधिकारी छुपे हुए आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करने के लिए गोलीबारी के बीच रेंगते हुए गौशाले के नजदीक गया। तत्पश्चात, जब आतंकवादी गौशाले से अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए बाहर निकले, तब अधिकारी ने भागते हुए आतंकवादियों पर प्रभावशाली गोलीबारी की जिससे एक आतंकवादी मारा गया। आतंकवादियों से लड़ते हुए अधिकारी अभियान स्थल पर शहीद हो गया। मारे गये आतंकवादी कि पहचान आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद तंजीम के रूप में हुई (ए ++)|

मेजर विभूति शंकर डौंडीयाल ने अदम्य साहस, बहादुरी और निःस्वार्थसेवा का प्रदर्शन करते हुए भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

14. 2706918पी सिपाही हरि सिंह दि ग्रेनेडियर्स/55 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 18 फरवरी 2019)

17-18 फरवरी 2019 की रात को गाँव पिंगलाना जिला पुलवामा (जम्मू और कश्मीर) में 14 फरवरी 2019 को सी आर पी एफ काफिले पर आई ई डी हमले के लिये जिम्मेदार आतंकवादी समूह की उपस्थिति के बारे में सूचना के आधार पर एक अभियान शुरू किया गया।

सिपाही हरि सिंह ने मेजर विभूति शंकर डौंडीयाल के साथ सामने से नेतृत्व किया। गौशाले की खोज के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलाबारी शुरू की जिसके परिणामस्वरूप सिपाही हरि सिंह कई गोलियाँ लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, उसने अपनी रणनीति को बनाये रखा, आतंकवादियों की गोलीबारी का मुँह तोड़ जवाब दिया और आतंकवादियों को भागने नहीं दिया। अपनी जान की परवाह न करते हुए, सिपाही हरि सिंह छुपे हुए आतंकवादियों पर प्रभावी गोलाबारी करते हुए गोलाबारी के बीच गौशाले के नजदीक गया। तत्पश्चात जब आतंकवादी गौशाले से अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए बाहर निकले तब सिपाही हरि सिंह ने उन पर भारी मात्रा में गोलाबारी की और एक आतंकवादी को मार गिराया और एक अन्य आतंकवादी को घायल किया और अभियान स्थल पर आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गए। मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद तंजीम आतंकवादी संगठन श्रेणी ए ++ के रूप में हुआ।

सिपाही हरि सिंह ने कर्तव्यनिष्ठा, अदम्य साहस और निःस्वार्थ सेवा का प्रदर्शन करते हुए भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 117-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए “बार टु सेना मेडल/सेना मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-65402एल कर्नल आशुतोष शर्मा, सेना मेडल, ब्रिगेड ऑफ दी गार्ड्स, 21वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
2. आईसी-75775एम मेजर के नवीन रेड्डी, सेना मेडल, दी इंजीनियर्स कोर, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स

3. आईसी-75898वाई मेजर सागर प्रकाश परदेशी, सेना मेडल, दी कवचित कोर, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
4. आईसी-76440एफ मेजर तसाओ प्राव, सेना मेडल, दी जम्मू और कश्मीर राईफल्स, तृतीय बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
5. आईसी-78870के मेजर मोहम्मद साहवाज आलम, सेना मेडल, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
6. एसएस-44861डब्ल्यू मेजर कौस्तुभ प्रकाशकुमार राने, सेना मेडल, दी गढ़वाल राईफल्स, 36वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
7. एसएस-45438एच मेजर मनीष कुमार सिंह, सेना मेडल, दी इंजीनियर्स कोर, 53वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
8. 3206908वाई सिपाही सुनील कुमार, सेना मेडल, 20वीं बटालियन दी जाट रेजिमेन्ट

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 118-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मियों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए “सेना मेडल/आर्मी मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-63135 डब्ल्यू लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश चौधरी, तृतीय बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
2. आईसी-63390एच लेफ्टिनेंट कर्नल भगवान सिंह बिष्ट, दी पैराशूट रेजिमेन्ट, 31वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
3. आईसी-63780एल लेफ्टिनेंट कर्नल पुन्याबाची मोहन्ती, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
4. आईसी-64702ए लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद रजा इसाइल, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
5. आईसी-66127एच लेफ्टिनेंट कर्नल अमरेन्द्र प्रसाद दिवेदी, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
6. आईसी-66194एन लेफ्टिनेंट कर्नल थाइबां साइमन, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
7. आईसी-67429एफ मेजर संदीप वशिष्ट, दी पैराशूट रेजिमेन्ट, 31वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
8. आईसी-69616वाई मेजर जसविंदर सिंह, दी पंजाब रेजिमेन्ट, 53वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
9. आईसी-71076के मेजर विकास कटोच, दी जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 52वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
10. आईसी-71121एल मेजर रविन्दर भाखर, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
11. आईसी-71381डब्ल्यू मेजर उदयन ठाकुर, सेना सेवा कोर, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
12. आईसी-72222एल मेजर विजेश कुमार, दी महार रेजिमेन्ट, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-72379एल मेजर सचिन कुमार अग्रवाल, दी महार रेजिमेन्ट, 30वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
14. आईसी-72667एक्स मेजर चितरेश बिस्ट, दी इंजीनियर्स कोर, 55वीं बटालियन दी इंजीनियर्स रेजिमेन्ट (मरणोपरांत)
15. आईसी-73715वाई मेजर के एच शेम, दी जाट रेजिमेन्ट, 5वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
16. आईसी-75222डब्ल्यू मेजर आशीष कुमार, चतुर्थ बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
17. आईसी-75470एम मेजर हैप्पी चारक, 9वीं बटालियन दी राजपूताना राईफल्स
18. आईसी-77566एन मेजर योगेश पान्डेय, दी इंजीनियर्स कोर, 9वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
19. एसएस-44375वाई मेजर लक्ष्मण सिंह, दी मैकनाईज्ड इन्फैन्ट्री, 9वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
20. एसएस-45385पी मेजर पाथारकर आनंद शरद, ब्रिगेड ऑफ दी गार्ड्स, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
21. एसएस-45698एन मेजर जावलकर वैभव प्रमोद, दी कवचित कोर, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
22. एसएस-45948के मेजर सोहम भट्टाचार्यजी, दी इंजीनियर्स कोर, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स

23. एसएस-46325एम मेजर शक्ति सिंह, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट
24. एसएस-46982डब्ल्यू मेजर इंदरप्रीत सिंह, दी कवचित कोर, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
25. आईसी-78335के कैप्टन शिव कुमार शर्मा, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
26. आईसी-78363डब्ल्यू कैप्टन कुनाल कुमार, 21वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (एसएफ)
27. आईसी-78430डब्ल्यू कैप्टन प्रतीक रंजनगावनंकर नायक एआर, असम, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
28. आईसी-79380एच कैप्टन सौरभ पटनी, सिग्नल्स, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
29. एसएस-47877एम कैप्टन आशीष गीडीअन पाओडेल, तृतीय बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
30. जेसी-581558पी सूबेदार त्रिलोक सिंह, तृतीय बटालियन दी जम्मू और कश्मीर राईफल्स
31. जेसी-163472ए नायब सूबेदार तारा चंद, 16वीं बटालियन असम राईफल्स
32. जेसी-414326पी नायब सूबेदार रविन्द्र सिंह, प्रथम बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
33. जेसी-414374पी नायब सूबेदार जय देव, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
34. 15135254एक्स बीएचएम हंस राज, तोपखाना, 66वीं बटालियन दी मध्यम रेजिमेन्ट
35. 13627211के हवलदार सन्दीप मलिक, 12वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
36. 13766936पी हवलदार बलिनंदर सिंह, चतुर्थ बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
37. 14930228एक्स हवलदार बलजीत, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
38. 16011842एन हवलदार भूपेन्द्रा सिंह, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट
39. 2491094एन हवलदार अजय कुमार राणा, दी पंजाब रेजिमेन्ट, 53वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
40. 2696528डब्ल्यू हवलदार सियो राम, दी ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
41. 3193710वाई हवलदार राकेश कुमार, दी जाट रेजिमेन्ट, 34वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
42. 9108495पी हवलदार जाविद अहमद चोपान, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
43. 13624481एन लांस हवलदार विजय कुमार, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (मरणोपरांत)
44. 16018379ए लांस हवलदार संदीप कुमार, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट
45. 13625785एक्स नायक अश्वनी कुमार, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
46. 13763245एक्स नायक जनकार सिंह, दी जम्मू और कश्मीर राईफल्स, तीसरी बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
47. 14936964एम नायक सन्नी ठाकुर, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
48. 3199522एन नायक रमेश कुमार, 20वीं बटालियन दी जाट रेजिमेन्ट
49. 3202050डब्ल्यू नायक नरेन्द्र कुमार, दी जाट रेजिमेन्ट, 5वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
50. 4199767ए नायक सन्तोष सिंह, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
51. 16022429एक्स लांस नायक सोमबीर, 23वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट
52. 2498145वाई लांस नायक जगतार सिंह, दी पंजाब रेजिमेन्ट, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
53. 4091346एन लांस नायक सुरेन्द्र सिंह, चतुर्थ बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
54. 4577919के लांस नायक अनुज कुमार, दी महार रेजिमेन्ट, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
55. 14941288एम सिपाही कुलविन्द्र सिंह, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
56. 14943136के सिपाही जगमोहन सिंह, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स
57. 14943610एम सिपाही समरेश डे, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स

58. 14945629के सिपाही सुहैल सिंह सैनी, दी मैकनाईज्ड इन्फैंट्री, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
59. 2621863वाई सिपाही एस विगी भास्कर, 12वीं बटालियन दी मद्रास रेजिमेन्ट
60. 2706086वाई ग्रेनेडियर तोसीफ यूसुफ, दी ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्ट, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
61. 2708496एन ग्रेनेडियर अजय कुमार, दी ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस (मरणोपरांत)
62. 2817903एफ सिपाही पेंटा निथिन पॉल, 24वीं बटालियन दी मराठा लाइट इन्फैंट्री
63. 3206464ए सिपाही सुनील, दी जाट रेजिमेन्ट, 34वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
64. 3207037डब्ल्यू सिपाही रिकु, दी जाट रेजिमेन्ट, 34वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
65. 4201892एल सिपाही सुशील सिंह कालाकोटी, दी कुमाऊं रेजिमेन्ट, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
66. 4204572एफ सिपाही राजवीर सिंह यादव, दी कुमाऊं रेजिमेन्ट, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
67. 4381857एच सिपाही पंकज बोरो, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
68. 4381860एच सिपाही राहुल दास, दी असम रेजिमेन्ट, 42वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
69. 4487854ए सिपाही गुलशन सिंह, दी सिख लाइट इन्फैंट्री, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
70. 4491112एक्स सिपाही हैप्पी सिंह, दी सिख लाइट इन्फैंट्री, 19वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस (मरणोपरांत)
71. 4582015एन सिपाही योगेन्द्रा कुमार, दी महार रेजिमेन्ट, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
72. 13775303एच राईफलमैन रमेश सिंह धामी, तृतीय बटालियन दी जम्मू और कश्मीर राईफलस
73. 13776050एल राईफलमैन रूपेन प्रधान, तृतीय बटालियन दी जम्मू और कश्मीर राईफलस
74. 13776291एल राईफलमैन सुरिन्द्र कुमार, दी जम्मू और कश्मीर राईफलस, तृतीय बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
75. 16021892एम राईफलमैन प्रदीप कुमार, दी राजपूताना राईफलस, 9वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
76. 4094438एल राईफलमैन मंदीप सिंह रावत, दी गढ़वाल राईफलस, 36वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस (मरणोपरांत)
77. 4101212एल राईफलमैन प्रीतम सिंह, छठी बटालियन दी गढ़वाल राईफलस
78. 9112892एल राईफलमैन रईस अह लोन, दी जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 50वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
79. जी/3101952के राईफलमैन निथौजम सुभाचन्द्रा सिंह, 31वीं असम राईफलस (मरणोपरांत)
80. 2707701एक्स ग्रेनेडियर करम चन्द, पांचवी बटालियन दी ग्रेनेडियर्स
81. 13631345ए पैराड्रपर विक्रम सिंह मेहता, तृतीय बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
82. 14705438एच पैराड्रपर राजेन्द्रा सिंह, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
83. 14940756पी पैराड्रपर नसीब कुमार, 10वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
84. 4091609एफ पैराड्रपर गोपाल सिंह, 10वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
85. 4377529एक्स पैराड्रपर तरुंग सितांग, 9वीं बटालियन दी पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)
86. 15505841एफ सवार किशन सिंह, दी कवचित कोर, 55वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस (मरणोपरांत)
87. 15715720एक्स सिग्नलमैन मानवेन्द्र सिंह, दी सिग्नल्स कोर, तृतीय बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
88. 15332020एम सैपर पी मधु, दी इंजीनियर्स कोर, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
89. 16119562के सैपर पी बाबू, दी इंजीनियर्स कोर, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस
90. 16123299एफ सैपर राहुल चवान, दी इंजीनियर्स कोर, प्रथम बटालियन दी राष्ट्रीय राईफलस



सं. 119-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए “बार टु नौसेना मेडल/नेवी मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. कैप्टन नवीन थापा, नौसेना मेडल (03644-एफ)

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 120-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए “नौसेना मेडल/नेवी मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. लेफ्टिनेंट कमांडर रुचिर रकेश खजूरिया (06279-डब्ल्यू)
2. तखेल्लबम राखेश सिंह, पी ओ सी डी 215876-बी
3. शमिंदर सिंह, पीओ पीटी 222345-एफ
4. श्री निवास, सी । (यू डब्ल्यू) 234830-एफ

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 121-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए “वायु सेना मेडल/एयरफोर्स मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. ग्रुप कैप्टन सौमित्र तामस्कर (25297) उड़ान (पायलट)
2. विंग कमांडर प्रणव राज (27193) उड़ान (पायलट)
3. विंग कमांडर अमित रंजन (28005) उड़ान (पायलट)
4. स्क्वाड्रन लीडर राहुल बसोया (29178) उड़ान (पायलट)
5. स्क्वाड्रन लीडर पंकज अरविन्द भुजाडे (29682) उड़ान (पायलट)
6. स्क्वाड्रन लीडर बी कार्तिक नारायण रेड्डी (30202) उड़ान (पायलट)
7. स्क्वाड्रन लीडर शशांक सिंह (32108) उड़ान (पायलट)

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 122-प्रेज/2019—राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को युद्ध/संघर्ष/युद्ध स्थितियों के दौरान उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए “युद्ध सेवा मेडल” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. एयर कमांडर सुनिल काशिनाथ विधाते, एवीएसएम, वीएम (18825) उड़ान (पायलट)
2. ग्रुप कैप्टन यशपाल सिंह नेगी, वीएम, वीएसएम (23735) उड़ान (पायलट)
3. ग्रुप कैप्टन हेमंत कुमार (25615) उड़ान (पायलट)
4. ग्रुप कैप्टन हेन्सल् जोसेफ् सिकवेरा (26081) उड़ान (पायलट)
5. स्क्वाड्रन लीडर मिन्टी अग्रवाल (31874) प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

सं. 123-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, “चीफ ऑफ दी आर्मी स्टाफ” से रक्षा मंत्री द्वारा प्राप्त किए गए “मेन्शन-इन-डिस्पेचिस” हेतु निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशन हेतु अनुमोदन प्रदान करते हैं :—

ऑपरेशन रक्षक

1. जेसी-452661एच नायब सूबेदार होशियार सिंह, पाचवीं बटालियन दी ग्रेनेडियर्स
2. 15349627पी लांस हवलदार हरीश कुमार, दी इंजीनियर्स कोर, 60वीं बटालियन दी इंजीनियर रेजिमेन्ट
3. 1511252एफ सवार लोकेश जांगिर, दी कवचित कोर, 22वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राईफल्स

ऑपरेशन डीमाईनिंग ऑफ 1962 विंटेज माईनफील्ड्स

4. 10406977एन सिपाही राजेन्द्र सिंह, प्रादेशिक सेना, 114वी ईन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) जाट (मरणोपरांत)

पी. प्रवीण सिद्धार्थ  
विशेष कार्याधिकारी

\_\_\_\_\_

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi the 15th August 2019

No. 114-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Kirti Chakra” to the under mentioned person for the acts of most conspicuous gallantry:—

## 1. SHRI HARSHPAL SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CRPF

(Effective date of the award: 13 SEPTEMBER 2018)

In the morning of 12th September 2018, information about the presence of 03 foreign terrorists near Jhajhar Kotli was received by CRPF. Accordingly, a joint Search and Destroy Operation was launched by the troops of CRPF, Police, and Army in their demarcated areas. Troops searched all the probable places but couldn't locate the terrorists till late night, however, circumstances were indicating their presence in the same area.

At 1055 hrs on 13th September 2018, Shri Harshpal Singh while on search duty in Kakaryal along with Commandant 06 Bn, received a specific input about the presence of 03 foreign terrorists in a house in Dheerti village and immediately rushed to the site along with a small team. The owner of the house had given the information to SFs and was waiting for them outside the village. After reaching the village, Sh. Harshpal Singh ascertained the facts about the terrorists and the house. As described, the target house was having a single door entry towards the southern direction, with a window fitted with iron grill. Three heavily armed terrorists were present inside the house.

The approach to the house was an open area with scanty covers against the bullets. Advancing towards the target house could have been a fatal step as the terrorists were armed and having a clear observation on the approach route. Also, there was a risk of losing the secrecy and surprise about the movement of troops. A small chirm could have alerted the terrorists, thus, giving them the opportunity to target the approaching troops and making their escape good from the site. The situation was extremely grave and warranted extraordinary efforts. At this juncture, displaying the true grits of a leader Shri Harshpal Singh rose to the occasion as he decided to lead the team from the front along with his buddy Constable Zaker Hussain. Displaying the tactical acumen and raw courage he along with his buddy Constable Zaker Hussain started advancing towards the target house by crawling. The duo, moving stealthily, followed the dead grounds and reached close to the target house from where they could see the door and window of the house. The remaining troops; small action team, were following the duo.

While troops were advancing and trying to get suitable positions near the target house, terrorists sensed the presence of SFs around and opened heavy fire upon them. Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain being at the front had to face the sudden, yet heavy onslaught of the terrorists. However, displaying their sharp reflexes, the duo saved themselves from the raining bullets and took position behind a weir. Troops immediately started retaliating the terrorist's firing. There were high bushes between the weir and the target house. These bushes were creating hindrance for the troops as neither were they providing cover against the terrorist's fire nor they were allowing the troops to see their position. If the situation continued terrorists could have escaped from the site. Sensing the probabilities and slipping opportunity, Shri Harshpal Singh with his buddy crawled sideways to find a position from where they could launch an effective counter attack. With this breathtaking and highly risk-prone advance, the duo positioned themselves close to the enemy's firing line. They reached close to the target house; approx. 10-15 meters away, however, the hurdles of bushes were still there. Yet, the duo under extreme life-threatening circumstances, charged upon the terrorists. The effective retaliatory fire by Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain from a very close range made them a prime target for the terrorists. Due to the bushes, the duo was still facing difficulties in targeting the terrorists. The time was running out and troops had to go for some extraordinary move as the ongoing counterattack was not proving very effective.

At this moment, Shri Harshpal Singh, sensing the need of the hour, decided to take the terrorists in a head-on battle. He held his nerves, kept him calm, thought for a plan and observed the things around. Using his tactical appreciation he identified one tree near to his position from where he could target the terrorists in the standing position; the only way to overcome the hurdles of bushes and target the terrorists. Amid the raining bullets, Shri Harshpal Singh along with his buddy Constable Zaker Hussain crawled towards the tree. Terrorists sensed the move of the duo and fired successive grenades upon them, which went in vain, as, the duo defying the fatal threats reached to their desired position.

Shri Harshpal Singh, directed his buddy Constable Zaker Hussain to remain low and give cover fire to him, while, he would go after the terrorists. In the most courageous stance, he, amidst the barrage of bullets and carpeting of UBGL grenade/shells by the terrorists, stood up, got positioned behind the tree, took an aimed shot at one terrorist and neutralized him on the spot. While the fellow terrorists tried to evacuate the killed terrorist, he fired a burst shot towards them causing injuries to both the terrorists. They immediately took a back and positioned them inside the house. The terrorists marked the position of Shri Harshpal Singh; as he has now become the biggest threat to their lives and opened heavy fire upon him from different angles. Due to its thin dimension, the tree could not give effective cover to Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain as both of them got hit in the firing of terrorists. Bullets hit Shri Harshpal Singh in his chest and Constable Zaker Hussain near his thigh. But like a true warrior, the duo got stubborn to fight the battle and refused to leave the ground. Despite, the heavy bleeding, the duo brave hearts continued their onslaught against the terrorists giving them no scope for respite and venturing out from their fortified positions.

Due to continuous close range heavy firing from both sides, the terrorists fell shortage of ammunition. Then, in desperation, they started hurling flurry of grenades towards Shri Harshpal Singh in which he was badly hit by the splinters. He sustained severe injuries in leg, ribs, and head; he had already suffered bullet injuries in the chest. Despite being fatally hit 2nd time, Shri Harshpal Singh stood his ground and continued to fire upon the terrorists.

Sensing the downfall of incapacitated terrorists together with the upper hand of the forces, excessively bleeding Shri Harshpal Singh and his injured buddy was requested to leave the ground for medical assistance. Accordingly, under the cover fire by his team, the duo was taken to a safe position and further evacuated to hospital for treatment. The remaining two terrorists were neutralized by his team in the successive exchange of fire. All the 03 JeM foreign terrorists were neutralized by the troops with the recovery of 03 AK Rifles, 01 Glock Pistol, huge cache of ammunition & explosives.

During the operation, Shri Harshpal Singh, Deputy Commandant displayed exceptional leadership qualities, raw grit and moral courage risking his own life to secure his troops as well as the local populace.

2. 16116742F SAPPER PRAKASH JADHAV, THE CORPS OF ENGINEERS / FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES, (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 27 NOVEMBER 2018)

At 0330 hours on 27 November 2018, a Cordon and search operation was launched in a village of Jammu & Kashmir.

Sapper Prakash Jadhav was leading the search party. Suddenly, terrorists opened indiscriminate fire on search party. Sensing danger to his buddy, he pushed him aside, exposed himself, under heavy firing by the terrorists, effectively retaliated back and eliminated one terrorist on the spot. Meanwhile, second terrorist opened fire and threw a petrol bomb. He alerted his team to leave house. In this process, he sustained bullet injuries, however, undeterred from his grave injuries, he fearlessly brought down accurate fire and injured the terrorist. Due to the petrol bomb, fire spread all over the house and Sapper Prakash Jadhav could not extricate himself out of house and succumbed to his gunshot wounds and burn injuries.

Sapper Prakash Jadhav displayed courage beyond the call of duty, conspicuous gallantry and made supreme sacrifice in true traditions of Indian Army.

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 115-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Vir Chakra” to the under mentioned person for the acts of gallantry in the face of the enemy:—

1. WING COMMANDER VARTHAMAN ABHINANDAN (27981) FLYING (PILOT)

(Effective date of the award: 27 FEBRUARY 2019)

Wing Commander Varthaman Abhinandan (27981) Flying (Pilot) is on the posted strength of a MiG 21 Bison Squadron with effect from 19 May 2018.

On 27 Feb 2019, Wing Commander Varthaman Abhinandan was on Operational Readiness Platform duty at Air Force Station Srinagar. At 0955h, a large force of Pakistan Air Force fighter aircraft (ac), consisting of advanced fourth generation F-16 and JF-17, were detected heading toward the LoC. The enemy ac were armed with advanced Beyond Visual Range (BVR) air to air Missiles and advanced high calibre air to ground stand-off weapons. The enemy ac were under seamless airborne radar cover and control. At about 1000h, Wing Commander Varthaman Abhinandan was scrambled to intercept this package. Despite the enemy's immense numerical and technological superiority, he proceeded courageously to engage the enemy ac package with utter disregard to his personal safety. On the intercept leg, he was provided with updates on likely air threats flying at very high altitudes. Displaying exceptional air combat acumen and knowledge of the enemy's tactics, Wing Commander Varthaman Abhinandan scanned the low altitude airspace with his Airborne Intercept (AI) radar and picked up an enemy aircraft that was flying low to ambush the Indian fighter interceptor ac.

Wing Commander Varthaman Abhinandan alerted the other formation pilots towards this surprise threat. He then consolidated the riposte, by gathering his wingman in an offensive formation against the hostile Pakistani ac now dropping weapons on Indian Army positions. This audacious and aggressive maneuver forced the enemy ac into tactical chaos. All the enemy ac thereafter turned back including the rear echelon ac who were yet to launch their air to ground weapons.

Wing Commander Varthaman Abhinandan then pursued a retreating enemy fighter bomber aircraft, and in the ensuing aerial combat, shot down an F-16 ac with his on-board missile. However, in the melee, one of the enemy aircraft fired multiple advanced BVR missiles, one of which hit his aircraft forcing him to eject in enemy territory.

Despite being captured by the enemy, he continued to display exceptional resolve in dealing with the adversary in a stoic, brave and dignified manner till he was repatriated on 01 March 2019. His actions raised the morale of the armed forces in general and the IAF in particular.

Wing Commander Varthaman Abhinandan showed conspicuous courage, demonstrated gallantry in the face of the enemy while disregarding personal safety and displayed exceptional sense of duty.

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 116-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Shaurya Chakra” to the under mentioned persons for the acts of gallantry:—

1. SHRI IMRAN HUSSAIN TAK, SUB INSPECTOR, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 17 NOVEMBER 2017)

On 17.11.2017, information regarding the movement of terrorists in a vehicle, who were heading towards Zakoora area of Srinagar was generated by Police Srinagar and immediately after the receipt of the said information, a joint Naka of police station Zakoora and police component Sringar headed by SI Shri Imran Hussain Tak under the overall command of SDPO, Zakura was established. Soon after the establishment of the NAKA, a white colour Santro approached the Naka party which was signalled to stop by SI Imran Hussain Tak accompanied by SPO Suhail Ahmad. However the persons boarded the vehicle fired in the direction of SI Imran Hussain Tak and other police personnel who were the part of the Naka Party which led to severe bullet wounds to SI Imran Hussain and SPO Suhail Ahmad. Despite receiving bullet injuries, the SI exhibited extraordinary bravery and swiftly retaliated the fire in the direction of the terrorist who targeted the SI which led to bullet injuries to the terrorist as well. Again applying good sense, the SI fired into the direction of the terrorist who was driving the vehicle with an aim to stop the vehicle. The terrorist lost control over the vehicle and after covering some distance, the car stopped, while de-boarding from the Car and in an attempt to flee from the spot, terrorists indiscriminately fired in the direction of the Naka party. The SI on seeing that the terrorists were trying to flee from the area, chased them despite the blood was continuously oozing out of his body and he was requiring immediate medical attention. He exhibited enough resistance to the efforts of his colleagues who were endeavouring to shift him to Hospital and instead continued to chase the terrorists and engaged them in fierce firefight. Since the place was open and there was no cover so that the officer could take shield of that, thus remained at a vulnerable position and retaliated the fire of terrorists. The SI challenged the terrorists in way as there was no imprint of the scene that he was injured till he inflicted casualties to terrorists which led to elimination of a top terrorist commander. While confronting the terrorists, the SI got so close to them that he with a few associates were also able to overpower another terrorist and arrested him.

Shri Imran Hussain Tak was critically injured after receiving bullet wounds during fierce fire fight with terrorists and due to loss of blood, unfortunately, later succumbed to his injuries and achieved martyrdom.

2. SHRI ASHIQ HUSSAIN MALIK, SPECIAL POLICE OFFICIAL JAMMU & KASHMIR (POSTHUMOUS)

Effective date of the award: 22 JUNE 2018)

Shri Ashiq Hussain Malik, S/o Shri Mohammad Maqbool Malik, r/o Anantnag, J& K was engaged as SPO in J& K in District Anantnag.

On 21/22.06.2018, specific information was generated by J&K police regarding presence of terrorist in the house of Mohd Yousuf Rather. The operation was accordingly planned and executed by Police Anantnag with the assistance 03 RR, 90 Bn CRPF. The presence of terrorists was established and process of cordon around the target location was intensified. During the search operation, terrorists opened heavy volley of fire upon the joint operational components with the intention to break the cordon and escape from the spot. To eliminate the terrorist without any collateral damage, on spot assault teams were constituted. SPO Ashiq Hussain Malik volunteered himself for the task and marched towards the target. Since the terrorists were heavily equipped and trained they started indiscriminate firing on the assault teams to move forward. SPO Shri Ashiq Hussain Malik without caring for his own life, showing nerve of steel marched towards target in a fire retaliatory action and managed to reach in the close proximity of the hiding terrorists.

The assault teams provided cover fire to the SPO and during intense exchange of close range gun battle, SPO Shri Ashiq Hussain Malik received severed bullet wounds and ultimately attained martyrdom.

Shri Ashiq Hussain Malik showed the highest degree of professionalism and courage due to which all the four heavily armed terrorists were eliminated.

3. 4101010K RIFLEMAN AJVEER SINGH CHAUHAN, 6TH BATTALION THE GARHWAL RIFLES

(Effective date of the award: 18 AUGUST 2018)

Rifleman Ajveer Singh Chauhan was a part of Bela IV ambush point in Tangdhar Sector, District Kupwara, Jammu and Kashmir on 18 August 2018.

He, with his alertness, picked up suspicious movement on improved Anti Infiltration Obstacle System at 1215 hours. He moved to a tactical position along with his buddy, Rifleman Preetam Singh but was fired upon by terrorists. Maintaining

his composure, he told his buddy to lie down and using field craft, both of them crawled to the nearest tree and took cover. Rifleman Ajveer, despite indiscriminate fire of terrorists, maintained fire control and also directed his buddy to conserve ammunition while not allowing terrorists to break contact. When the terrorists had exhausted their ammunition, two terrorists tried to escape towards the Line of Control. Seeing this, he crawled ahead of the tree cover and engaged both the terrorists at close range, eliminating both of them. He further crawled to a side and fired accurately towards the third terrorist thereby pinning him down, who was neutralised by his buddy, Rifleman Preetam.

Rifleman Ajveer Singh Chauhan displayed raw courage, presence of mind and with utter disregard to personal safety he neutralised two terrorists and successfully eliminated the infiltration bid.

4. 9112648L RIFLEMAN SHIVE KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY / 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 31 AUGUST 2018)

On 31 Aug 2018, Rifleman Shive Kumar was part of the seek and destroy mission in an area in Jammu & Kashmir.

At about 0718 hours, Rifleman Shive Kumar noticed movement of terrorists at very close range. He immediately sensed that his Team Commander who had not seen the terrorist is vulnerable to fire. With utter disregard to personal safety and sensing danger to the life of his Team Commander, Shive Kumar charged towards the terrorist. He came under heavy barrage of accurate fire from the terrorists and suffered multiple gunshot wounds due to which he dropped his weapon. Displaying raw courage and despite being injured, he kept on charging towards the terrorist and pounced on him, overpowered him and killed him with his bare hands. Still sensing the grave danger to which his own troops were exposed, he picked up the weapon of the terrorist and injured the second terrorist before succumbing to his injuries.

Rifleman Shive Kumar displayed valour and exemplary raw courage in eliminating one hardcore terrorist and made supreme sacrifice for the nation.

5. CONSTABLE ZAKER HUSSAIN, CRPF

(Effective date of the award: 13 SEPTEMBER 2018)

In the morning of 12th September 2018, information about the presence of 03 foreign terrorists near Jhajhar Kotli was received by CRPF. Accordingly, a joint Search and Destroy Operation was launched by the troops of CRPF, Police, and Army in their demarcated areas. Troops searched all the probable places but couldn't locate the terrorists till late night, however, circumstances were indicating their presence in the same area.

At 1055 hrs on 13th September 2018, Shri Harshpal Singh while on search duty in Kakaryal along with Commandant 06 Bn, received a specific input about the presence of 03 foreign terrorists in a house in Dheerti village and immediately rushed to the site along with a small team. The owner of the house had given the information to SFs and was waiting for them outside the village. After reaching the village, Sh. Harshpal Singh ascertained the facts about the terrorists and the house. As described, the target house was having a single door entry towards the southern direction, with a window fitted with iron grill. Three heavily armed terrorists were present inside the house.

The approach to the house was an open area with scanty covers against the bullets. Advancing towards the target house could have been a fatal step as the terrorists were armed and having a clear observation on the approach route. Also, there was a risk of losing the secrecy and surprise about the movement of troops. A small chirm could have alerted the terrorists, thus, giving them the opportunity to target the approaching troops and making their escape good from the site. The situation was extremely grave and warranted extraordinary efforts. At this juncture, displaying the true grits of a leader Shri Harshpal Singh rose to the occasion as he decided to lead the team from the front along with his buddy Constable Zaker Hussain. Displaying the tactical acumen and raw courage he along with his buddy Constable Zaker Hussain started advancing towards the target house by crawling. The duo, moving stealthily, followed the dead grounds and reached close to the target house from where they could see the door and window of the house. The remaining troops; small action team, were following the duo.

While troops were advancing and trying to get suitable positions near the target house, terrorists sensed the presence of SFs around and opened heavy fire upon them. Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain being at the front had to face the sudden, yet heavy onslaught of the terrorists. However, displaying their sharp reflexes, the duo saved themselves from the raining bullets and took position behind a weir. Troops immediately started retaliating the terrorist's firing. There were high bushes between the weir and the target house. These bushes were creating hindrance for the troops as neither were they providing cover against the terrorist's fire nor they were allowing the troops to see their position. If the situation continued terrorists could have escaped from the site. Sensing the probabilities and slipping opportunity, Shri Harshpal Singh with his buddy crawled sideways to find a position from where they could launch an effective counter attack. With this breathtaking and highly risk-prone advance, the duo positioned themselves close to the enemy's firing line. They reached close to the target house; approx. 10-15 meters away, however, the hurdles of bushes were still there. Yet, the duo under extreme life-threatening circumstances, charged upon the terrorists. The effective retaliatory fire by Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain from a very close range made them a prime target for the terrorists. Due to the bushes, the duo was still facing difficulties in targeting the terrorists. The time was running out and troops had to go for some extraordinary move as the ongoing counterattack was not proving very effective.

At this moment, Shri Harshpal Singh, sensing the need of the hour, decided to take the terrorists in a head-on battle. He held his nerves, kept him calm, thought for a plan and observed the things around. Using his tactical appreciation he identified one tree near to his position from where he could target the terrorists in the standing position; the only way to overcome the hurdles of bushes and target the terrorists. Amid the raining bullets, Shri Harshpal Singh along with his buddy Constable Zaker Hussain crawled towards the tree. Terrorists sensed the move of the duo and fired successive grenades upon them, which went in vain, as, the duo defying the fatal threats reached to their desired position.

Shri Harshpal Singh, directed his buddy Constable Zaker Hussain to remain low and give cover fire to him, while, he would go after the terrorists. In the most courageous stance, he, amidst the barrage of bullets and carpeting of UBGL grenade/shells by the terrorists, stood up, got positioned behind the tree, took an aimed shot at one terrorist and neutralized him on the spot. While the fellow terrorists tried to evacuate the killed terrorist, he fired a burst shot towards them causing injuries to both the terrorists. They immediately took a back and positioned them inside the house. The terrorists marked the position of Shri Harshpal Singh; as he has now become the biggest threat to their lives and opened heavy fire upon him from different angles. Due to its thin dimension, the tree could not give effective cover to Shri Harshpal Singh and Constable Zaker Hussain as both of them got hit in the firing of terrorists. Bullets hit Shri Harshpal Singh in his chest and Constable Zaker Hussain near his thigh. But like a true warrior, the duo got stubborn to fight the battle and refused to leave the ground. Despite, the heavy bleeding, the duo brave hearts continued their onslaught against the terrorists giving them no scope for respite and venturing out from their fortified positions.

Due to continuous close range heavy firing from both sides, the terrorists fell shortage of ammunition. Then, in desperation, they started hurling flurry of grenades towards Shri Harshpal Singh in which he was badly hit by the splinters. He sustained severe injuries in leg, ribs, and head; he had already suffered bullet injuries in the chest. Despite being fatally hit 2nd time, Shri Harshpal Singh stood his ground and continued to fire upon the terrorists.

Sensing the downfall of incapacitated terrorists together with the upper hand of the forces, excessively bleeding Shri Harshpal Singh and his injured buddy was requested to leave the ground for medical assistance. Accordingly, under the cover fire by his team, the duo was taken to a safe position and further evacuated to hospital for treatment. The remaining two terrorists were neutralized by his team in the successive exchange of fire. All the 03 JeM foreign terrorists were neutralized by the troops with the recovery of 03 AK Rifles, 01 Glock Pistol, huge cache of ammunition & explosives.

Like a true soldier and battle-mate, Constable Zaker Hussain fought along with his commander without caring for his life. He displayed exemplary bravery in keeping with the highest tradition of the force.

6. AMIT SINGH RANA, LME, 231243-B

(Effective date of the award: 21 September, 2018)

The sailor was deployed for Op Rakshak, J&K, since May 18 wherein he participated in multiple operations. During two such operations viz. OP Shok Baba and OP Danna, he displayed exemplary courage, tactical acumen and gallantry of a very high order and played a vital role in neutralising the terrorists.

On 20-21 Sep, he was involved in Op Shok Baba along with 14 RR in a Cordon and Search Operation, where terrorists were entrapped in a house at village Shok Baba. Despite firing heavy caliber weapons and grenades, the terrorists remained protected in the cow shed. At this juncture, AS Rana and his team volunteered to approach the cow shed with a heavy IED to destroy it. With cover fire provided by the balance MARCOS, the brave soldier quickly manoeuvred and placed the IED at the cow shed. Whilst manoeuvring in, he was heavily fired upon by the hiding terrorists. Displaying excellent field craft and strict fire discipline, the sailor with his gallant action, blew up the cow shed using IED and eliminated three terrorists.

In Op Danna, he as buddy of Lt Cdr Mahesh Kumar, with utter disregard to his personal safety shot dead one terrorist at extreme close quarters, whilst giving cover fire to the Officer. Indian Army had also commended the sailor's role during both the operations. In these two, back to back operations, eight foreign terrorists were eliminated.

Amit Singh Rana, LME, displayed outstanding leadership, tactical acumen and exceptional gallantry in the fight against the terrorists.

7. 19000555M LANCE NAIK SANDEEP SINGH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 22 SEPTEMBER 2018)

On 22 September 2018, Lance Naik Sandeep Singh was the leading scout of the Special Forces squad under Captain Gurjeet Saini which was carrying out search operation to locate and neutralize an infiltrated group of hardcore foreign terrorists at an altitude of 12,500 feet in Jammu & Kashmir. The rocky nature of the terrain and lack of vegetation made the conduct of operation extremely difficult.

During the operation, Sandeep Singh tracked the accurate location of the terrorists and alerted his squad. As the squad was getting deployed, they came under heavy effective fire from the terrorists. Realising the imminent danger to his squad members, Sandeep Singh displaying field craft of an exceptional order closed in on the terrorists and neutralized one

terrorist at very close range with accurate rifle fire. One of the remaining terrorists lobbed a grenade at Sandeep injuring him severely. Thereafter, the terrorists started engaging the rest of the squad with effective fire. Lance Naik Sandeep Singh in a daring act crawled close towards the other two terrorists and engaged them, during which he was once again hit by terrorists' fire which led to his rifle falling into a nearby gorge. In a selfless and brave act Lance Naik Sandeep Singh grabbed one of the terrorists and engaged him in hand to hand combat. Taking advantage of the pause in the terrorists' fire, the rest of the squad quickly moved on to a position of advantage and engaged the terrorists effectively. Lance Naik Sandeep Singh while in hand to hand combat was shot by the third terrorist mortally wounding him.

Sandeep Singh displayed raw courage and gallantry in personally eliminating one foreign terrorist, seriously injuring two terrorists and sacrificing his life in highest traditions of the Indian Army thereby ensuring safety of his squad and subsequent elimination of three terrorists.

8. SHRI SUBASH CHANDER, HEAD CONSTABLE, J&K POLICE

(Effective date of the award: 19 OCTOBER 2018)

On 19th October, 2018, a Joint Naka (Vehicle and civilian checking point) was established by police component of Baramulla and 53 Bn CRPF at Kralhar national Highway railway crossing, Baramulla. In the process, checking of vehicles and pedestrians was being carried out by the Naka party headed by HC Shri Subash Chander.

At 13.30 PM, a black colour Scorpio vehicle plying towards Baramulla town was signalled by Naka party to stop for regular checking. All the passengers in the vehicle were asked to prove their identity as per laid down procedure. Suddenly, a passenger boarding the vehicle took out an AK-47 Rifle and fired upon HC Subash Chander, who by then had realized the intentions of the terrorist and had taken defensive position thus had miraculous escape. With about 08 more people boarding in the vehicle, it was extremely difficult moment for him to take action against the terrorists and at the same time save innocent human lives. In the melee one civil innocent passenger who attempted to deboard the vehicle but terrorist tried to take him a hostage and as cover to escape. The civil passenger somehow managed to come near HC Subash Chander and HC Subash Chander became a human shield for this civilian passenger, while shielding him, the terrorist indiscriminately fired again towards Subash, who luckily missed him and the civilian, while as one terrorist was still in vehicle and holding other 03 more passengers including 02 ladies as hostages, other terrorist suddenly got off the vehicle, while firing indiscriminately. HC Subash Chander with utmost presence of mind and superb marksmanship aimed at the terrorist who got killed in exchange of fire. The huge challenge was to secure the 03 civilian and signalled them to get off from the vehicle while he diverted the attention of the terrorists. HC Subash suddenly threw a stunt grenade towards the road side which exploded with a bang, this diverted the attention of terrorist for some moments and in the spurt of moment, the passengers deboarded the vehicle giving ample room to HC Subash Chander to take on the terrorist and with covering fire from other Police/CRPF/Army parties, the heavily armed terrorist was eliminated.

While safeguarding the lives of 04 civilians in an extremely dangerous situation, HC Shri Subash Chander displayed extreme bravery and eliminated 02 hardcore Pakistani terrorists.

9. SHRI SABLE DNYANESHWAR SHRIRAM, CONSTABLE, 53 BN CRPF, BARAMULLA, J&K

(Effective date of the award: 19 October, 2018)

On 19 October 2018, C coy of 53 Bn was deployed for Naka duty at old Joint Interrogation Centre (JIC) Kralhar, under PS & District Baramulla (J&K), along with the component of SOG Baramulla. Constable Sable Dnyaneshwar Shriram was assigned the task of providing cover to the SOG personnel who were checking the vehicles plying on the Srinagar – Baramulla road.

At about 1330 hours, a black Scorpio bearing Registration. No.JK-01-L-5792 coming from Srinagar side was stopped by the Naka party for searching the vehicle. There were two male passengers inside the vehicle; one was seated on the co-driver seat and the other on the middle seat just behind the driver along with two female passengers. Two other female passengers were seated in the rear of the vehicle. The moment the vehicle came to a halt the occupants were requested by the civil police personnel to step down and cooperate in the search process.

The female passengers suddenly got down from the vehicle and in a panic ran for cover in different directions. Sub Inspector C. Rajendran, the Party Commander, sensing something amiss immediately alerted all the personnel deployed at the Naka. Constable Sable Dnyaneshwar Shriram, suspecting mischief started closing towards the suspected vehicle. The militant who was sitting on the co-driver seat was again asked to get down from the vehicle. Realizing that he was surrounded, he reluctantly got down from the vehicle. A gunny bag was kept near his seat. The search party asked him to open the gunny bag. Suddenly, in a flash, he drew out a pistol from his jacket and fired at the person conducting the search of the vehicle which missed the target. By this time, Constable Sable Dnyaneshwar Shriram had reached close to the vehicle. Before he could understand the situation, the militant, finding him close, fired a volley of bullets upon him. Displaying sharp reflexes, Constable Sable Dnyaneshwar Shriram saved himself from the deadly attack. Nevertheless, undeterred by imminent threat to his life, he, holding his nerves charged at the militant and eliminated him on the spot through his accurate fire.

In the meantime, taking the advantage of the ongoing encounter between SFs and his fellow militant, the second male occupant seated in the middle row got down from the vehicle and fled towards the right side; down the road, firing with



his AK- rifle and simultaneously lobbing grenades to dissuade the SFs from pursuit. Constable Ankesh Sangma, who was deployed towards that side fired at the fleeing militant to prevent his escape. The militant on facing the heavy resistance from that side entered a narrow bye-lane of a residential area and continued to run. Constable Sable Dnyaneshwar Shriram, who by then have neutralized the first militant, ran after the fleeing militant to nab him. Sub Insp C. Rajendran, Constable Davinder Kumar, and Constable Pranab Kalita were closely following him. The militant's run was cut short when he ran into a fence of tin sheet surrounding a house. He tried to scale it but was unsuccessful. When he turned around to flee in another direction he was already surrounded. The pursuit party led by Constable Sable Dnyaneshwar Shriram had closed in on the militant and taken positions. The militant, in a desperate attempt, opened indiscriminate fire upon the troops to escape from the site. The pursuit party retaliated the fire and pinned down the militant. The militant placed himself behind the cover and continued firing upon the troops followed by grenade lobbying. Militant was trying every bit to escape from the site, but troops were determined to foil all his attempts. At this juncture, Constable Sable Dnyaneshwar Shriram decided to launch a final attack before the militant could make any further attempts to escape. He, throwing all cautions to the wind, came out of his cover and under the covering fire of his fellow troops, took a precise shot on the militant and neutralized him on the spot. The operation was neatly executed by the troops on ground wherein they neutralized two dreaded militants of JeM.

The slain militants were later identified as Faizan and Wahab both A+ category militants of the JeM outfit. 01 AK 47, 02 Chinese Pistol, 01 UBGL, 02 UBGL grenade 03 Chinese grenades were also recovered from their possession. It was apparently meant to execute some serious militant action shortly, which was thwarted on account of the presence of mind and exemplary valour exhibited by the troops.

The main protagonist behind this successful operation was Constable Sable Dnyaneshwar Shriram, who exhibited exemplary bravery, the presence of mind, nerves of steel and utmost devotion towards his duties in the most life-threatening situation. He not only played the pivotal role in the elimination of the first militant but also took the lead in pursuing and neutralizing the second militant; armed with AK 47 rifle, thereby motivating his colleagues to join the league. It was a perfect operation with no collateral damages upholding the values and ethics of the Force and its concern for human rights.

Constable Sable Dnyaneshwar Shriram showed exemplary bravery, raw grit and extraordinary commitment to duties under extreme adversity, in keeping with the highest traditions of the CRPF.

10. 2498034F SEPOY BRAJESH KUMAR, THE PUNJAB REGIMENT / 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 26 OCTOBER 2018)

Sepoy Brajesh Kumar volunteered to serve in the Rashtriya Rifles for a second tenure. He was serving with 22 Rashtriya Rifles from 30 September 2016.

On 26 October 2018, based on input regarding presence of terrorists in a village in Jammu & Kashmir an operation was launched. First terrorist was neutralized at 0420 hours. The second terrorist started crawling towards buddy pair of Major Sagar Prakash Pardeshi, Sena Medal. Sensing danger to his comrades, Sepoy Brajesh Kumar came out in open and under effective covering fire from his buddy, he accurately engaged the second terrorist, thereby grievously injuring him. Displaying superlative tactical acumen and field craft, Sepoy Brajesh Kumar then readjusted his position to cut off the escape route. Under cover of darkness, injured terrorist then lobbed grenade towards Sepoy Brajesh Kumar, thereby grievously injuring him.

Despite being injured, he refused evacuation and under effective covering fire from his buddy, he crawled forward and eliminated second terrorist in close quarter combat.

Sepoy Brajesh Kumar showed indomitable courage and undaunting bravery beyond call of duty in eliminating a Pakistani terrorist.

11. IC-64585A LIEUTENANT COLONEL AJAY SINGH KUSHWAH, SENA MEDAL, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 22 NOVEMBER 2018)

On 22 November 2018 at 2355 hours, specific input was received of presence of terrorists in an area in Jammu and Kashmir. Lieutenant Colonel Ajay Singh Kushwah, Sena Medal, immediately sprang into action and led a small team to cordon suspected the area. While cordon was being laid, terrorists detected the movement and rushed out firing indiscriminately. The officer, undeterred by fire, quickly retaliated pinning down leading terrorist. Detecting exact location of the officer, group of four terrorists charged towards his location. In bold display of raw courage, gallantry and unflinching fighting spirit, the officer controlled situation and let the terrorists close in to fair visible distance. The officer displaying nerves of steel, under enemy fire, ducked down and dashed forward while facing terrorist, he fired from limited cover available and neutralized two terrorists in an intense close quarter battle, both identified as hard core terrorists. The other two terrorists suffered grievous injuries with his immaculate firing.

Lieutenant Colonel Ajay Singh Kushwah, Sena Medal displayed extraordinary tactical acumen, dauntless courage, sterling leadership qualities and self example with utter disregard to personal safety, leading to neutralization of six hardcore terrorists.

12. IC-79501Y CAPTAIN MAHESHKUMAR BHURE, THE CORPS OF ENGINEERS / 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 25 NOVEMBER 2018)

On 25 November 2018, Captain Maheshkumar Bhure led a team in Jammu & Kashmir, wherein he planned and led the operation in which six top terrorist commanders were eliminated.

Captain Maheshkumar Bhure cordoned the target house and achieved complete surprise, thereby trapping the terrorists. The terrorists attempted to break the cordon in darkness by lobbing grenades and firing indiscriminately. As they ran towards his position, the officer retaliated with deadly accurate fire at close range, thereby killing a terrorist and forcing the other terrorists to retreat back.

Seeing his buddy wounded in this fire fight, Captain Maheshkumar Bhure put himself at great risk and personally evacuated him under very heavy fire. He then readjusted the cordon to prevent any escape and was able to pin down the terrorists.

Thereafter, with raw courage and steely determination he crawled forward under intense fire and at point blank range killed one more terrorist.

Captain Maheshkumar Bhure displayed exemplary leadership and unparalleled courage under the most challenging circumstances.

13. SS-44986N MAJOR VIBHUTI SHANKAR DHOUNDIYAL, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS /55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 17 FEBRUARY 2019)

Major Vibhuti Shankar Dhoundiyal had exhibited unparalleled valour and exceptional leadership qualities in various operations resulting in elimination of five terrorists and recovery of 200 Kilograms of explosive material.

On 17 February 2019, when input of presence of terrorist group in a village was received, the officer planned a Battalion level operation. During search, officer was fired upon by terrorist hiding in a cow shed resulting in multiple gunshot injuries to him. Despite being severely injured, officer maintained his tactical composure and retaliated terrorist fire. Exhibiting utter disregard to his personal safety, officer crawled closer to cow shed in line of fire to bring down effective fire on hiding terrorists. Subsequently, when terrorists moved out of the cow shed firing indiscriminately, the officer fired on fleeing terrorists facilitating in elimination of one terrorist. Officer succumbed to his injuries at operation site while fighting with terrorists. Terrorist eliminated was identified a foreign terrorist of category, responsible for IED attack on security forces.

Major Vibhuti Shankar Dhoundiyal displayed conspicuous bravery and unparalleled courage resulting in elimination of one terrorist and made supreme sacrifice for the nation.

14. 2706918P SEPOY HARI SINGH, THE GRENADIERS / 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 18 FEBRUARY 2019)

On night of 17 and 18 February 2019, based on input regarding presence of terrorist group in a village in Jammu & Kashmir, Sepoy Hari Singh alongwith Major Late Vibhuti Shankar Dhoundiyal led the search from front. While searching a cow shed, terrorists opened indiscriminate fire resulting in multiple gun shots injury to the individual. Despite being injured, maintaining his tactical composure, Sepoy Hari Singh retaliated fire immediately and did not allow terrorists to escape. Exhibiting utter disregard to his safety, Sepoy Hari Singh re-adjusted his position close to cow shed in the line of fire to bring effective fire on hiding terrorists. Subsequently, when terrorists moved out of the cow sheds firing indiscriminately, Sepoy Hari Singh brought down heavy fire on terrorists and eliminated one terrorist and inflicted injuries to one more terrorist and attained martyrdom while fighting with terrorists at operation site. Terrorist eliminated was identified as a foreign terrorist.

Sepoy Hari Singh displayed conspicuous courage and unparalleled devotion to duty and made supreme sacrifice for the nation.

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 117-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-65402L COLONEL ASHUTOSH SHARMA, SENA MEDAL, BRIGADE OF THE GUARDS, 21ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
2. IC-75775M MAJOR K NAVEEN REDDY, SENA MEDAL, THE CORPS OF ENGINEERS, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

3. IC-75898Y MAJOR SAGAR PRAKASH PARDESHI, SENA MEDAL, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
4. IC-76440F MAJOR TASOU PRAO, SENA MEDAL, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
5. IC-78870K MAJOR MD SAHWAJ ALAM, SENA MEDAL, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. SS-44861W MAJOR KAUSTUBH PRAKASHKUMAR RANE, SENA MEDAL, THE GARHWAL RIFLES, 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
7. SS-45438H MAJOR MANISH KUMAR SINGH, SENA MEDAL, THE CORPS OF ENGINEERS, 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
8. 3206908Y SEPOY SUNIL KUMAR, SENA MEDAL, 20TH BATTALION THE JAT REGIMENT

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 118-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/ Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-63135W LIEUTENANT COLONEL RAJESH CHOUDHARY, 3RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
2. IC-63390H LIEUTENANT COLONEL BHAGWAN SINGH BISHT, THE PARACHUTE REGIMENT, 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
3. IC-63780L LIEUTENANT COLONEL PUNYABACHI MOHANTY, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
4. IC-64702A LIEUTENANT COLONEL MOHAMMAD RAZA ISRAIL, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
5. IC-66127H LIEUTENANT COLONEL AMRENDRA PRASAD DWIVEDI, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. IC-66194N LIEUTENANT COLONEL THAIBA SIMON, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
7. IC-67429F MAJOR SANDEEP WASHISHT, THE PARACHUTE REGIMENT, 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
8. IC-69616Y MAJOR JASWINDER SINGH, THE PUNJAB REGIMENT, 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
9. IC-71076K MAJOR VIKAS KATOCH, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 52ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
10. IC-71121L MAJOR RAVINDER BHAKHER, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
11. IC-71381W MAJOR UDAYAN THAKUR, THE ARMY SERVICE CORPS, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
12. IC-72222L MAJOR VIJESH KUMAR, THE MAHAR REGIMENT, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
13. IC-72379L MAJOR SACHIN KUMAR AGARWAL, THE MAHAR REGIMENT, 30TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
14. IC-72667X MAJOR CHITRESH BISHT, THE CORPS OF ENGINEERS, 55TH THE ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)
15. IC-73715Y MAJOR KH SHEM, THE JAT REGIMENT, 5TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
16. IC-75222W MAJOR ASHISH KUMAR, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
17. IC-75470M MAJOR HAPPY CHARAK, 9TH BATTALION THE RAJPUTANA RIFLES
18. IC-77566N MAJOR YOGESH PANDEY, THE CORPS OF ENGINEERS, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

19. SS-44375Y MAJOR LAXMAN SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
20. SS-45385P MAJOR PATHARKAR ANAND SHARAD, BRIGADE OF THE GUARDS, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
21. SS-45698N MAJOR JAVALKAR VAIBHAV PRAMOD, THE ARMOURED CORPS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
22. SS-45948K MAJOR SOHAM BHATTACHARJEE, THE CORPS OF ENGINEERS, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
23. SS-46325M MAJOR SHAKTI SINGH, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
24. SS-46982W MAJOR INDER PREET SINGH, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
25. IC-78335K CAPTAIN SHIV KUMAR SHARMA, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
26. IC-78363W CAPTAIN KUNAL KUMAR, 21ST PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
27. IC-78430W CAPTAIN PRATEEK RANJANGAONKAR, THE ASSAM REGIMENT, 42 BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
28. IC-79380H CAPTAIN SAURABH PATNI, THE CORPS OF SIGNALS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
29. SS-47877M CAPTAIN ASHISH GEDION PAUDEL, 3RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
30. JC-581558P SUBEDAR TRILOK SINGH, 3RD BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
31. JC-163472A NAIB SUBEDAR TARA CHAND, 16TH BATTALION THE ASSAM RIFLES
32. JC-414326P NAIB SUBEDAR RAVINDER SINGH, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
33. JC-414374P NAIB SUBEDAR JAI DEV, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
34. 15135254X BATTALION HAVILDER MAJOR HANS RAJ, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 66TH BATTALION THE MEDIUM REGIMENT
35. 13627211K HAVILDER SANDEEP MALIK, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
36. 13766936P HAVILDER BALINDER SINGH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
37. 14930228X HAVILDER BALJEET, THE MECHANISED INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
38. 16011842N HAVILDER BHUPENDRA SINGH, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
39. 2491094N HAVILDER AJAY KUMAR RANA, THE PUNJAB REGIMENT, 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
40. 2696528W HAVILDER SHEO RAM, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
41. 3193710Y HAVILDER RAKESH KUMAR, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
42. 9108495P HAVILDER JAVID AHMAD CHOPAN, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
43. 13624481N LANCE HAVILDER VIJAY KUMAR, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (POSTHUMOUS)
44. 16018379A LANCE HAVILDER SANDEEP KUMAR, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
45. 13625785X NAIK ASHWANI KUMAR, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
46. 13763245X NAIK JANKAR SINGH, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

47. 14936964M NAIK SUNNY THAKUR, THE MECHANISHED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
48. 3199522N NAIK RAMESH KUMAR, 20TH BATTALION THE JAT REGIMENT
49. 3202050W NAIK NARENDRA KUMAR, THE JAT REGIMENT, 5TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
50. 4199767A NAIK SANTOSH SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
51. 16022429X LANCE NAIK SOMBIR, 23RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
52. 2498145Y LANCE NAIK JAGTAR SINGH, THE PUNJAB REGIMENT, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
53. 4091346N LANCE NAIK SURENDRA SINGH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
54. 4577919K LANCE NAIK ANUJ KUMAR, THE MAHAR REGIMENT, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
55. 14941288M SEPOY KULWINDER SINGH, THE MECHANISHED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
56. 14943136K SEPOY JAGMOHAN SINGH, THE MECHANISHED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
57. 14943610M SEPOY SAMARESH DEY, THE MECHANISHED INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
58. 14945629K SEPOY SUHAIL SINGH SAINI, THE MECHANISHED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
59. 2621863Y SEPOY S VIGI BHASKAR, 12TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT
60. 2706086Y GRENADIERS TAWSEEF YOUSUF, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
61. 2708496N GRENADIERS AJAY KUMAR, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
62. 2817903F SEPOY PENTA NITHIN PAUL, 24TH BATTALION THE MARATHA LIGHT INFANTRY
63. 3206464A SEPOY SUNIL, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
64. 3207037W SEPOY RINKU, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
65. 4201892L SEPOY SUSHIL SINGH KALAKOTI, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
66. 4204572F SEPOY RAJVEER SINGH YADAV, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
67. 4381857H SEPOY PANKAJ BORO, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
68. 4381860H SEPOY RAHUL DAS, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
69. 4487854A SEPOY GULSHAN SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
70. 4491112X SEPOY HAPPY SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
71. 4582015N SEPOY YOGENDRA KUMAR, THE MAHAR REGIMENT, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
72. 13775303H RIFLEMAN RAMESH SINGH DHAMI, 3RD BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
73. 13776050L RIFLEMAN RUPEN PRADHAN, 3RD BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES

74. 13776291L RIFLEMAN SURINDER KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
75. 16021892M RIFLEMAN PRADEEP KUMAR, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
76. 4094438L RIFLEMAN MANDEEP SINGH RAWAT, THE GARHWAL RIFLES, 36TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
77. 4101212L RIFLEMAN PREETAM SINGH, 6TH BATTALION THE GARHWAL RIFLES
78. 9112892L RIFLEMAN RAYEES AH LONE, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
79. G/3101952K RIFLEMAN NINGTHOUJAM SUBHACHANDRA SINGH, 31ST BATTALION THE ASSAM RIFLES (POSTHUMOUS)
80. 2707701X GRENADIERS KARAM CHAND, 5TH BATTALION THE GRENADIERS
81. 13631345A PARATROOPER VIKRAM SINGH MEHTA, 3RD BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
82. 14705438H PARATROOPER RAJENDRA SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
83. 14940756P PARATROOPER NASEEB KUMAR, 10TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
84. 4091609F PARATROOPER GOPAL SINGH, 10TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
85. 4377529X PARATROOPER TARUNG SITANG, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SEPECIAL FORCES)
86. 15505841F SOWAR KISHAN SINGH, THE ARMoured CORPS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
87. 15715720X SIGNALMAN MANVENDRA SINGH, THE CORPS OF SIGNALS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
88. 15332020M SAPPER P MADHU, THE CORPS OF ENGINEERS, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
89. 16119562K SAPPER P BABU, THE CORPS OF ENGINEERS, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
90. 16123299F SAPPER RAHUL CHAVAN, THE CORPS OF ENGINEERS, FIRST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 119-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. CAPTAIN NAVEEN THAPA, NM (03644-F)

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 120-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. LIEUTENANT COMMANDER RUCHIR RAKESH KHAJURIA (06279-W)
2. TAKHELLAMBAM RAKHESH SINGH, PO CD 215876-B
3. SHAMINDER SINGH, PO PT 222345-F
4. SHRI NIWASH, SEA I (UW) 234830-F

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 121-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. GROUP CAPTAIN SAUMITRA TAMASKAR (25297) FLYING (PILOT)
2. WING COMMANDER PRANAV RAJ (27193) FLYING (PILOT)
3. WING COMMANDER AMIT RANJAN (28005) FLYING (PILOT)
4. SQUADRON LEADER RAHUL BASOYA (29178) FLYING (PILOT)
5. SQUADRON LEADER PANKAJ ARVIND BHUJADE (29682) FLYING (PILOT)
6. SQUADRON LEADER B KARTHIK NARAYAN REDDY (30202) FLYING (PILOT)
7. SQUADRON LEADER SHASHANK SINGH (32108) FLYING (PILOT)

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 122-Pres/2019—The President is pleased to approve the award of the “Yudh Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of a high order during war/conflict/hostilities:—

1. AIR COMMODORE SUNIL KASHINATH VIDHATE AVSM VM (18825) FLYING (PILOT)
2. GROUP CAPTAIN YESHPAL SINGH NEGI VM VSM (23735) FLYING (PILOT)
3. GROUP CAPTAIN HEMANT KUMAR (25615) FLYING (PILOT)
4. GROUP CAPTAIN HANSEL JOSEPH SEQUEIRA (26081) FLYING (PILOT)
5. SQUADRON LEADER MINTY AGGARWAL (31874) ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty

No. 123-Pres/2019—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for “Mention in Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Army Staff”:—

#### OPERATION RAKSHAK

1. JC-452661H NAIB SUBEDAR HOSIYAR SINGH, 5TH BATTALION THE GRENADIERS
2. 15349627P LANCE HAVILDER HARISH KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 60TH BATTALION THE CORPS OF ENGINEERS
3. 1511252F SOWAR LOKESH JANGIR, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

#### OPERATION DEMINING OF 1962 VINTAGE MINEFIELDS

4. 10406977N SEPOY RAJENDRA SINGH, THE TERRITORIAL ARMY, 114TH INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) JAT (POSTHUMOUS)

P. PRAVEEN SIDDHARTH  
Officer on Special Duty